RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 14 अंक - 151 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, गुरूवार 16 मार्च 2023 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

नेहरू नगर में रिटायर्ड बीएसपी कर्मी के घर लाखों की चोरी, सोने-चांदी के सिक्कों के साथ उड़ा ले गए अमेरिकन डॉलर

भिलाई। नेहरू नगर में रहने वाले रिटायर्ड बीएसपी कर्मचारी के घर पर लाखों की चोरी का मामला सामने आया है। महज दो घंटे के अंतराल में चोर ने घर में घुसकर चोरी की घटना को अंजाम दिया। चोर ने घर की अलमारी में रखे सोने व चांदी के सिक्कों के साथ नगदी भी लेकर चला गया। यही नहीं घर पर अमेरिकन डॉलर भी रखे थे उसे भी चोर उड़ा ले गया। इस मामले में रिटायर्ड बीएसपी कर्मी की शिकायत पर सुपेला पुलिस ने अज्ञात के खिलाफधारा 380-आईपीसी, 457-आईपीसी के तहत अपराध दर्ज कर चोर की तलाश शुरू कर दी है।

सुपेला पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार नेहरू नगर वेस्ट निवासी जगदीश प्रसाद कुदरिया रिटायर्ड बीएसपी कर्मचारी है। उन्होंने थाने पहुंचकर अपने घर पर हुई चोरी की शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत के अनुसार 14 मार्च को जगदीश प्रसाद कुदरिया अपनी पत्नी उषा कुदरिया को लेकर शाम 6:45 बजे सियान सदन भवन में आयोजित कार्यक्रम में गया था। लगभग दो घंटे बाद रात 8:50 बजे घर वापस आया तो देखा कि घर के सामने लगी ग्रील का ताला टूटा है अैर लकडी का दरवाजा भी टुटा मिला।

जब जगदीश कुदारिया अपने घर अंदर पहुंचा तो देखा कि सामान व कपडे इधर उधर बिखरे पड़े हैं। पूजा रूम मे रखी दो आलमारी व बेडरूम में रखे 3 आलमारियों के व लाकर के ताले टूटे हुये थे। जांच करने पर आलमारी मे रखे 50 हजार रुपए नगदी व चिल्हर करीबन 20,000 रुपए नहीं था। इसके अलावा 51 चांदी के सिक्के व 1 सोने का का सिक्का नहीं था। अएक अलमारी में 115 अमेरिकन डालर रखे थे वह भी गायब मिले। इसके साथ ही 5 ब्रासलेट, 1 ग्राम एडी ज्वेलरी, लेडिस पर्स मे रखे करीबन 6000 रुपए, जेन्स पर्स मे रखा इक्यूटास बैक का एटीम व करीब 3000 रुपए नगदी नहीं था। सियान सदन जाने व लौटने के बीच किसी ने घर में घुसकर चोरी की। जगदीश कुदारिया की शिकायत पर सुपेला पुलिस ने अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अब छत्तीसगढ़ में भी होगा नारको टेस्ट, रायपुर एम्स को मिली मंजूरी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बड़े अपराधिक मामलों में नारको टेस्ट अपराध की जड़ तक पहुंचने का माध्यम होता है। माना जाता है कि नारको टेस्ट में अपराधी पूरा सच बताता है। देश में नारको टेस्ट की सुविधा चुनिंदा शहरों में ही है। छत्तीसगढ़ पुलिस को भी किसी मामले में नारको टेस्ट कराना होता है तो उसे दूसरे मेट्रो सिटीज के भरोसे रहना होता है। पर अब ऐसा नहीं होगा। छत्तीसगढ़ में अब नारको टेस्ट हो सकेगा। एम्स रायपुर को इसके लिए मंजूरी मिल गई।

लोक निर्माण, गृह, जेल, धार्मिक न्यास, धर्मस्व और पर्यटन ताम्रध्वज साहू ने विधानसभा में यह जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि अब बड़े अपराधों में इस्तेमाल किए जाने वाले नारको टेस्ट के लिए देश के बड़े राज्यों में नंबर नहीं लगाना पड़ेगा। नारको टेस्ट के लिए छत्तीसगढ़ अब आत्म निर्भर बन गया है। राज्य सरकार ने नारको टेस्ट के लिए जरूरी औपचारिकताएं पूरी कर ली है और रायपुर एम्स के साथ मिलकर इसके लिए जरूरी मशीनें भी मंगा ली गयी हैं। जल्द ही एम्स में नारको टेस्ट हो सकेगा जिससे छत्तीसगढ़ पुलिस को लाभ मिलेगा।

12,915 करोड़ रूपए की अनुदान मांगे पारित

गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू के विभागों के लिए वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए सदन में प्रस्तुत लगभग 12,915 करोड़ रूपए की अनुदान मांगे सर्वसम्मति से पारित कर दी गई है। अनुदान मांगों पर विधानसभा के 15 सदस्यों ने चर्चा में भाग लिया। पारित अनुदान मांगों में लोक निर्माण कार्य विभाग अंतर्गत सड़के और पुल के लिए 3,584 करोड़ 9 लाख 4 हजार रूपए, भवन हेतु 1,549 करोड़ 93 लाख 50 हजार रूपए, विदेशों से सहायता प्राप्त परियोजनाओं के लिए 836 करोड़ 75 लाख 88 हजार रूपए, पुलिस विभाग के लिए 6401 करोड़ 68 लाख 84 हजार रूपए, गृह विभाग से संबंधित अन्य व्यय के लिए 116 करोड़ 42 लाख 56 हजार रूपए, जेल विभाग के लिए 220 करोड़ 80 लाख 36 हजार रूपए, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग के लिए 45 करोड़ 08 लाख रूपए और पर्यटन विभाग के लिए 159 करोड़ 40 लाख 50 हजार रूपए शामिल है।

डायल 112 की सुविधा अब 28 जिलों में

गृहमंत्री ने विधानसभा में पुलिस विभाग की चर्चा में साहू ने कहा कि साइबर अपराधों में लगाम लगाने के लिए प्रदेश के सभी 5 रेंज मुख्यालयों में साइबर थानों की स्थापना की जाएगी। वर्तमान में डायल 112 की सुविधा 11 जिलों में हैं, जिसे बढ़ाकर अब 28 जिलों में किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि चिटफंड कंपनियों पर लगातार कार्यवाही की जा रही है और निवेशकों को राशि लौटाई जा रही है। उन्होंने जानकारी देते हुए कहा कि अब तक 209 अनियमित चिटफंड कंपनियों पर कार्यवाही करते हुए निवेशकों को 32 करोड़ रूपए की राशि लौटाई जा चुकी है।

लोक निर्माण विभाग की अनुदान मांग पर भी चर्चा

मंत्री साहू ने लोक निर्माण विभाग की अनुदान मांग पर चर्चा करते हुए बताया कि राज्य में सड़कों की कुल लम्बाई 01 लाख 5 हजार किलोमीटर है। अभी तक 1494 वृहद तथा 8394 मध्यम पुलों का संधारण किया जा चुका है। वर्ष 2022-23 में 2274 किलोमीटर सड़कों का निर्माण किया गया है। उन्होंने जानकारी दी की विगत 4 वर्षों में 764 किलोमीटर की नवीन सड़कें, 728 किलोमीटर सिंगल लेन सड़कों को डब्बल लेन तथा 609 किलोमीटर सड़कों को मल्टीलेन किया गया। इस दौरान रेलवे ओव्हर/अंडरब्रिज के 10 कार्य पूर्ण हो चुके हैं तथा 5 कार्य प्रगति पर हैं।

प्रदेश में पर्यटन की असीम संभावनाएं

मंत्री साहू ने पर्यटन विभाग की चर्चा में कहा कि प्रदेश में पर्यटन की असीम संभावनाएं मौजूद हैं। राज्य सरकार के द्वारा पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए ट्राइबल-टूरिज्म की शुरूआत की गई है। पर्यटकों को और अधिक सुविधाएं मुहैया कराने के लिए प्रदेश में पर्यटन नीति बनाई गई है तथा 12 मोटल्स को 30 वर्षों के लिए लीज पर दिया गया है। सरकार द्वारा भगवान श्रीराम द्वारा छत्तीसगढ़ में बिताए गए स्थलों को चिन्हांकित कर राम-वन-गमन पर्यटन परिपथ के रूप में विकसित किया जा रहा है। प्रथम चरण में सीतामढ़ी हरचौका से लेकर चंदखुरी, शिवरीनारायण सहित 9 स्थानों का विकास किया जा रहा है। इससे छत्तीसगढ़ को देश और दुनिया में एक नई पहचान मिली।

सरपंच पति की सरकारी राशन पर अवैध वसूली, सिस्टम को दे रहा चुनौती

कलेक्टर ने दिए कार्रवाई के निर्देश

कोरबा (एजेंसी)। कोरबा में सरपंच पति की सिस्टम को चुनौती पर प्रशासन एक्शन में आ गया है। सरकारी राशन के बदले ग्रामीणों से वसूली की खबर सामने आने के बाद कलेक्टर ने मामले की जांच और कार्यवाही के निर्देश दिए हैं। सरपंच पति ने कहा था कि जो गांव वाले नवरात्रि का चंदा नहीं देंगे, उन्हें सरकारी राशन नहीं मिलेगा। चंदे के लिए बकायदा रेट भी तय किया गया है। चंदे में 101 रुपये और एक किलो चावल देने को कहा गया है। इस खबर को एक समाचार पत्र ने प्रमुखता से प्रकाशित किया था। इसके बाद प्रशासन ने कार्यवाही की बात कही है।

कलेक्टर संजीव झा ने विकासखंड करतला के अंतर्गत ग्राम गिधौरी में सरपंच और पीडीएस संचालक की ग्रामीणों से अवैध वसूली मामले में सख्त रुख अपनाया है। समय सीमा की समीक्षा बैठक में कलेक्टर झा ने विस्तृत जानकारी अधिकारियों से ली है। इसके बाद बरपाली तहसीलदार आराधना प्रधान, करतला फूड इंस्पेक्टर उर्मिला गुप्ता की टीम के साथ गांव पहुंच कर पंचनामा तैयार कर जांच रिपोर्ट पेश करने के लिए कहा है।

ग्राम पंचायत गिधौरी की सरपंच विज्ञानी कंवर हैं। हालांकि पंचायत में उनके पति गोविंदा कंवर की चलती है। उन्होंने फरमान जारी कर इस नवरात्रि पर ग्रामीणों से चंदा मांगा है। पहले चंदा घर-घर जाकर लिया जाता था और ग्रामीण स्वेच्छा से देते हैं। इस बार सरपंच पति गोविंदा ने कहा है कि पहले चंदा दो, उसके बाद ही सरकारी कोटे का राशन मिलेगा। जो नहीं देगा, उसे नहीं मिलेगा। चंदे में 101 रुपये और एक किलो चावल देने को कहा गया है।

भोरमदेव महोत्सव का आयोजन 19 व 20 मार्च को

सारेगामापा विजेता इशिता विश्वकर्मा के साथ दिखेगी छत्तीसगढ़ी संस्कृति की झलक

श्रीकंचनपथ न्यूज

कबीरधाम। छत्तीसगढ़ के ऐतिहासिक, पुरातत्विक, धार्मिक, पर्यटन और जन आस्था के केंद्र भोरमदेव मंदिर में होने वाले महोत्सव की तैयारियां जोरो पर हैं। महोत्सव का आयोजन इस बार 19 और 20 मार्च को होगा। इस दो दिवसीय महोत्सव के मंच पर छत्तीसगढ़ की कला-संस्कृति के साथ बॉलीवुड के उभरते सिंगरों का भी जादू चलेगा। इस बार सारेगामापा की विजेता इशिता विश्वकर्मा भी अपनी प्रस्तुति देंगी। कलेक्टर जनमेजय महोबे ने मंगलवार को भोरमदेव महोत्सव 2023 की तैयारियों का जायजा लिया।

मंदिर में रूद्राभिषेक होगा

भोरमदेव महोत्सव के दो दिनों तक मंदिर में विशेष पूजा अर्चना की तैयारियों के लिए अधिकारियों को जिम्मेदारी दी गई है। इन दो दिनो में मंदिर में शिव की विशेष श्रृंगार, भस्म आरती और रूद्राभिषेक होगा। प्राचीन सरोवर में दीप दान भी होंगे। निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत सीईओ संदीप कुमार अग्रवाल, अपर कलेक्टर इंद्रजीत बर्मन, एसडीएम कवर्धा पीसी कोरी, बोड़ला संदीप ठाकुर, संयुक्त कलेक्टर डॉ. मोनिका कौड़ो, डिप्टी कलेक्टर संदीप ठाकुर सहित जिला अधिकारी उपस्थित थे

भोरमदेव महोत्सव के पहले दिन 19 मार्च को बैगा नृत्य मोहतु बैगा व उनके साथी, ग्राम बारपानी बोड़ला, जिले के स्कूली बच्चों का कार्यक्रम, रजउ साहू, जरहा नवागांव बोड़ला, छत्तीसगढ़ी लोक संगीत, पूर्णश्री राउत, रायपुर ओडिसी नृत्य, ऋतु वर्मा, भिलाई, पंडवानी, जाकिर हुसैन, कोरबा, सुगम संगीत बॉलीवुड फेम और सुनील तिवारी, रायपुर, छत्तीसगढ़ी लोक गीत मुख्य आकर्षक के केंद्र होंगे। सुबह पूजन के बाद शाम को महोत्सव का आगाज हो जाएगा। कार्यक्रम देर रात तक चलेंगे।

वहीं दूसरे दिन 20 मार्च को समापन आयोजन में जिले के स्कूली बच्चों का कार्यक्रम, डॉ. नीता राजेन्द्र सिंह, खैरागढ़ कत्थक नृत्य, गुरूदास मानिकपुरी, बोड़ला छत्तीसगढ़ी लोक संगीत, सुश्री अंशिका चौहान, भाटापारा सुगम संगीत, पंडित गोलू दिवाना, दुल्लापुर कवर्धा लोक संगीत, इशिता विश्वकर्मा एवं ग्रुप, मुम्बई सारेगामापा विजेता, बॉलीवुड फेम सिंगर कार्यक्रम की प्रस्तुति देंगी। इसके अलावा अल्का चंद्राकर, रायपुर छत्तीसगढ़ी लोकगीत की महफिल से महोत्सव का मंच सजेगा।

दूसरे के खेत को बताया अपना, धमतरी के किसान को लगाया 30 लाख का चूना, केस दर्ज

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। रायपुर के शातिर बदमाश ने दुर्ग जिले के जामगांव में दूसरे के खेत को अपना बताकर धमतरी के किसान को 30 लाख रुपए का चूना लगा दिया। खेत का सौदा होने के बाद टोकन मनि व रजिस्ट्री के नाम पर 30 लाख 100 रुपए ले लिए और रजिस्ट्री भी नहीं की। बार बार रजिस्ट्री के लिए आनाकानी करने पर परेशान किसान ने जामगांव आर थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने दो लोगों के खिलाफधारा 120-बी, 294, 420, 467, 468, 471, 506 के तहत अपराध दर्ज किया है।

दरअसल सेमरा गांव जिला धमतरी निवासी जगदीश साहू को किसान खेती के लिए पाटन क्षेत्र में जमीन की तलाश थी। इस दौरान उसकी मुलाकात श्यामू यादव निवासी ग्राम ढौर थाना पाटन से हुई। श्यामू यादव ने उसे अमरपुरी चौंक सुन्दर नगर रायपुर निवासी अश्वनी कुमार डडसेना से मिलवाया। अश्वनी डडसेना ने बताया कि उसके पास 8 एकड 52 डिसमिल जमीन ग्राम रीवागहन, जामगांव आर तह

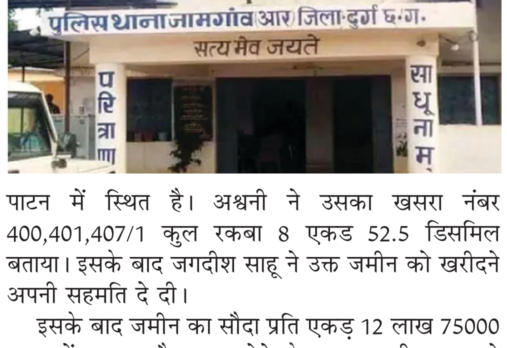

पाटन में स्थित है। अश्वनी ने उसका खसरा नंबर 400,401,407/1 कुल रकबा 8 एकड 52.5 डिसमिल बताया। इसके बाद जगदीश साहू ने उक्त जमीन को खरीदने अपनी सहमति दे दी।

इसके बाद जमीन का सौदा प्रति एकड़ 12 लाख 75000 रुपए में हुआ। सौदा तय होने के बाद जगदीश साहू ने टोकन के रूप में 2 लाख 100 रुपए दो गवाहो के समक्ष दिया। इसके बाद अश्वनी कुमार डडसेना ने 7 नवंबर 2022 को एक इकरारनामा भी बनाया। इसके बाद अश्वनी डडसेना ने रुपयो की आवश्यकता बताई तो अपने परिचित राहुल कुमार के जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित के खाता क्रंमाक 101009175793 शाखा सेलूद जिला दुर्ग से चेक क्रमांक 006594 के माध्यम से 22 लाख 44 हजार 403 रुपए व पत्नी नंदिनी साहू के एसबीआई शाखा भखारा के खाता क्रमांक 37803004205 से चेक क्रंमाक 047813 के माध्यम से 5 लाख 55 हजार 597 रुपए 10 नवंबर 2022 को दिया। इस प्रकार अश्वनी कुमार डडसेना को 30,00,100 भुगतान कर दिया।

पैसे वापस मांगने पर दे रहा था रेप केस में फंसाने की धमकी

जगदीश साहू ने अपनी शिकायत में बताया कि रकम लेने के बाद अश्वनी डडसेना रजिस्ट्री के लिए घुमाने लगा। कृषि भूमि की रजिस्ट्री के लिए कहने पर टालने लगा। इस बीच अश्वनी डडसेना ने रजिस्ट्री में जरूरत के नाम न्यू सेंट्रल बैंक ऑफइंडिया शाखा भखारा तीन चेक ले लिए। चेक लेने के बाद भी रजिस्ट्री नहीं कराई। इसके बाद तंग आकर जगदीश साहू ने अपने पैसे व चेक वापस मांगे तो आज कल कहते हुए न तो रकम लौटाई और न ही चेक दिए। उल्टे जान से मारने की धमकी, गाली गलौच करने के साथ ही जगदीश साहू व उसके बेटे को बलात्कार के केश में फंसाने की धमकी दी। डरे सहमे जगदीश साहू ने आखिरकर इस मामले में थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई।

फिर हो रही कोरोना की इंट्री? महिला की रिपोर्ट आई पॉजिटिव

जगदलपुर। जिले में एक बार फिर से कोरोना ने दस्तक दी है। जहां एक 75 वर्षीय महिला की रिपोर्ट एंटीजन पॉजिटिव आने के बाद उसे मेकाज भेजा गया, लेकिन उसे देखने के बाद चिकित्सकों ने उसे होम आइसुलेशन में रहने की सलाह दी है। मामले की पुष्टि करते हुए महारानी अस्पताल के डॉक्टर वीरेंद्र ठाकुर ने बताया कि जगदलपुर की रहने वाली महिला (75) को लंग में इंफेक्शन होने के कारण उसे उपचार के लिए महारानी अस्पताल लाया गया था, जहां जांच के दौरान महिला का पहले एंटीजन टेस्ट किया गया, जहां रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद महिला को भर्ती करने के लिए मेकाज रेफर किया गया। जहां मेकाज के चिकित्सकों ने महिला को होम आइसोलेट कर दिया है, महिला की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद से उसकी ट्रैवल हिस्ट्री भी पूछी गई, लेकिन महिला कहीं बाहर नहीं गई थी, महिला को होम आइसोलेशन करने के बाद उसके घर के सदस्य को बाहर नहीं जाने की बात कहने के साथ ही परिवार के अन्य सदस्यों का भी टेस्ट करने की बात कही गई है।

छत्तीसगढ़ में दाढ़ी मूंछ की राजनीति

श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़ में अब दाढ़ी मूंछ की राजनीति शुरू हो गई है. भाजपा नेता नंद कुमार साय ने कहा है कि जब तक प्रदेश से कांग्रेस की सरकार नहीं हटती वे बाल नहीं कटवाएंगे। वैसे भी बड़े बाल साय की पहचान बन चुके हैं। इसके जवाब में प्रदेश के खाद्य मंत्री अमरजीत भगत ने कहा है कि यदि कांग्रेस चुनाव हार जाती है तो वे अपनी मूंछ मुंडवा लेंगे। इससे पहले 20 साल से मनेन्द्रगढ़ को जिला बनाने की मांग कर रहे सामाजिक कार्यकर्ता रमाशंकर ने दाढ़ी नहीं बनवाने की कसम खाई थी। मनेन्द्रगढ़ के जिला बनने के बाद ही उन्होंने दो साल पहले अपनी दाढ़ी मुंडवाई। दाढ़ी-मूंछ और केश इन दिनों भारतीय राजनीति में अपना अलग जलवा बिखेर रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने दूसरे कार्यकाल में 18 दाढ़ी मूंछ वालों को मंत्रिमंडल में मौका दिया। 57 मंत्रियों की इस फौज में केवल 6 महिलाएं थीं। अब मोदी स्वयं भी एक शानदार दाढ़ी के मालिक हैं। आजाद भारत ने अब तक 14 पुरुष प्रधानमंत्री देखे हैं। इनमें से इंद्रकुमार गुजराल और चंद्रशेखर दाढ़ी रखते थे। वहीं मनमोहन सिंह सिख थे। भारतीय क्रिकेट में भी माचो लुक वाले क्रिकेटर्स की संख्या बढ़ती जा रही है। कुछ लोगों को दाढ़ी रौबदार शख्सियत देती है वहीं अधिकांश लोग दाढ़ी वालों को साधु संत के रूप में देखते हैं। प्रधानमंत्री मोदी पर ये दोनों बातें फिट बैठती हैं। इधर कांग्रेस नेता राहुल गांधी भी 'उस्तरा छोड़ो-भारत जोड़ो' के बाद से दाढ़ी में ही नजर आ रहे हैं। दाढ़ी ने उनके व्यक्तित्व में थोड़ा वजन भी पैदा किया है। वैश्विक राजनीति की बात करें तो कई बड़े नेता अपनी दाढ़ी के कारण ही पहचाने जाते थे। 1860 में अमेरिका के राष्ट्रपति चुने गए अब्राहम लिंकन बेहद दुबले पतले थे। एक बच्ची ने उन्हें चिट्ठी लिखकर दाढ़ी रखने की सलाह दी ताकि उनका व्यक्तित्व भरा-भरा सा लगे। उन्होंने दाढ़ी रख ली और आज दुनिया उनको उनके दाढ़ी के कारण ही तस्वीरों में पहचान पाती है। रूस के नेता व्लादिमीर इलिच लेनिन भी दाढ़ी रखते थे। जुल्फिकार अली भुट्टो ने अपने जीवन के आखिरी दिनों में दाढ़ी रख ली थी। अफगानिस्तान में तालिबान का हुक्म है कि मर्द लंबी दाढ़ी रखें। दाढ़ी इतनी लंबी होनी चाहिए कि मुट्ठी में पकड़ने के बाद भी नीचे से नजर आए। चन्द्रशेखर के बारे में यह कहा जाता है कि जिस होस्टल में रहते थे वहां रोज सुबह नाई आता था। एक बार वे अपने दोस्त के साथ किसी शहर में गए और होटल में ठहरे। वहां उन्हें नाई की दुकान नहीं मिली। दो चार दिन में उनकी दाढ़ी बढ़ गई तो लोगों ने उनके नए लुक की तारीफकी। इसके बाद उन्होंने कभी दाढ़ी नहीं मुंडवाई। वैसे दाढ़ी समाजवादियों की भी पहचान रही है। कहा जाता है कि समाजवादी बेकार के कामों में अपना वक्त बर्बाद नहीं करते। तो क्या देश गुपचुप समाजवाद की ओर लौट रहा है?

संपादकीय

मुसीबत में पाकिस्तान

पाकिस्तानी विदेश मंत्री बिलावल जरदारी भुट्टो ने एक अमेरिकी टीवी को दिए इंटरव्यू में साफगोई से स्वीकारा है कि उनका मुल्क इस वक्त चौतरफा मुसीबतों से घिरा है। बकौल बिलावल, 'पाकिस्तान न सिर्फ राजनीतिक ध्रुवीकरण के दौर में है, बल्कि सुरक्षा और आर्थिक संकट से भी जूझ रहा है।' वाकई पाकिस्तान गहरे संकट में है। एक ओर, सरकारी तोहफों को निजी हित के लिए बेचने के आरोप में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की गिरफ्तारी को लेकर राजनीतिक अराजकता की स्थिति है, तो दूसरी तरफ आईएमएफ उसे और कर्ज देने से आनाकानी कर रहा है। फिर अफगानिस्तान से लगी सीमा पर उसे तालिबान के बदले तेवर का भी मुकाबला करना पड़ रहा है। फौज और नागरिक सत्ता में तनाव अब खुलकर सामने है। ऐसे में, पाकिस्तान को कर्ज देने के मामले में आईएमएफ का सावधान होना लाजिमी है। ब्योरे हैं कि इमरान खान को गिरफ्तार करने गई पुलिस और उनके समर्थकों की शुरुआती झड़पों में ही 60 से भी अधिक लोग जख्मी हो गए। ऐसे में, कल क्या होगा, इसका अंदाज लगाना मुश्किल नहीं। तब तो और, जब इमरान अपनी हत्या का अंदेशा जताते हुए पार्टी कार्यकर्ताओं व समर्थकों से सड़कों पर उतरने का आह्वान कर रहे हैं! यह किसी से छिपा नहीं है कि पाकिस्तान एक परमाणु संपन्न देश है। उसकी दिन-ब-दिन बिगड़ती स्थिति पूरी दुनिया, खासकर भारतीय उप-महाद्वीप के लिए चिंता की बात होनी चाहिए। बिलावल भुट्टो जब खुद सुरक्षा चुनौतियों के बढ़ने की बात कर रहे हैं, तब पाकिस्तानी परमाणु हथियारों की सुरक्षा को लेकर दुनिया को बहुत सतर्क होने की जरूरत है। अभी ज्यादा वर्ष नहीं बीते हैं, जब ट्रंप प्रशासन ने यह साफ-साफ कहा था कि पाकिस्तान आतंकियों को पनाह देता है। अमेरिकी सुरक्षा विशेषज्ञ स्टीफन टैंकल ने तो यहां तक कहा था कि पाकिस्तानी परमाणु हथियारों के आतंकियों के हाथों में जाने का खतरा है। सरहदी इलाकों में तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान की जिस तरह पकड़ बनी है और उसने हाल में जैसे हमले किए हैं, उनसे टैंकल की आशंकाओं को बल मिलता है। इस परिदृश्य में तमाम पड़ोसी देशों को अपनी सुरक्षा व्यवस्था पर नए सिरे से गौर करना होगा। किसी भी समस्या के हल की पहली शर्त है कि उसे सर्वप्रथम स्वीकारा जाए और फिर समाधान की दिशा में गंभीर पहल की जाए। क्या पाकिस्तानी हुक्मरां वाकई आत्मचिंतन करने को तैयार हैं कि सिर्फ दहशतगर्दी और दहशतगर्दों की हिमायत ने उन्हें इस हाल में पहुंचाया है? अगर वे ईमानदारी से इसे कुबूल करते हुए आगे बढ़ें, और पड़ोसी देशों को एतमाद में लें, तो उनके साथ-साथ यह समूचे दक्षिण एशिया के हित में होगा। दुर्योग से, पाकिस्तानी सत्ता प्रतिष्ठान का रवैया ईमानदारी भरा नहीं, जबकि उसके सामने नजीर है कि बांग्लादेश ने कट्टरपंथियों और आतंकियों की नकेल कसकर कैसे तरक्की की सीढ़ियां चढ़ीं! पाकिस्तानी 'डीप स्टेट' को अब यह मानना चाहिए कि उसकी आर्थिक संपन्नता, राजनीतिक स्थिरता और सरहदी सुरक्षा कुटिल छद्म युद्धों से पोषित नहीं हो सकती। भयंकर महंगाई और गुरबत से पाकिस्तानियों की मुक्ति चीन और सऊदी अरब की फौरी इमदाद से भी अब संभव नहीं है। उसे अपने पैरों पर खड़ा होने की जरूरत है, और इसके लिए अपनी घरेलू राजनीति व विदेश नीति को उसे ठोस वैश्विक हकीकतों की धरातल पर गढ़ना होगा। मगर पाकिस्तान से इस तरह की उम्मीद आशावाद का अतिरेक ही मानी जाएगी।

> " अमेरिकी सुरक्षा विशेषज्ञ स्टीफन टैंकल ने तो यहां तक कहा था कि पाकिस्तानी परमाणु हथियारों के आतंकियों के हाथों में जाने का खतरा है। सरहदी इलाकों में तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान की जिस तरह पकड़ बनी है और उसने हाल में जैसे हमले किए हैं, उनसे टैंकल की आशंकाओं को बल मिलता है। इस परिदृश्य में तमाम पड़ोसी देशों को अपनी सुरक्षा व्यवस्था पर नए सिरे से गौर करना होगा।

बड़े संकट की शुरुआत

इस घटना का असर लीमैन ब्रदर्स के फेल होने जैसा होगा या नहीं, इस बारे में कुछ कहना अभी जल्दबाजी होगी। लेकिन एक बबूला जरूर फूटा है, जिसका कम से कम स्टार्ट अप सेक्टर पर तो बहुत बुरा असर होगा। अमेरिका की विनियामक संस्था का सिलिकॉन वैली बैंक (एसवीबी) को बंद कर देने के फैसले से पूरी दुनिया के वित्तीय बाजारों को गहरा झटका लगा है। आशंका है कि इसके साथ ही दुनिया में एक बड़े वित्तीय संकट की शुरुआत हो गई है। इस घटना का असर 2008 में लीमैन ब्रदर्स के फेल होने जैसा होगा या नहीं, इस बारे में कुछ कहना अभी जल्दबाजी होगी। लेकिन यह तो तय है कि इसके साथ एक बबूला फूटा है, जिसका अधिक नहीं तो कम से कम स्टार्ट अप सेक्टर पर बहुत बुरा असर होगा। जो स्टार्ट अप्स प्रभावित होंगे, उनमें कई भारतीय भी हैं। इसकी वजह यह है कि इस बैंक ने स्टार्ट अप्स को ऋण देने के मामले में अपना प्राथमिकता क्षेत्र बना रखा था। लेकिन पिछले साल से अमेरिका के केंद्रीय बैंक-फेडरल रिजर्व ने ब्याज दरों में वृद्धि की नीति अपनाई है, जिससे 2008 से 2020 तक चले ईजी मनी के दौर पर विराम लग गया है। नए दौर में दीर्घकालिक प्रतिभूतियों (सिक्युरिटीज) में किए गए निवेश पर भारी नुकसान हो रहा है। सेवीबी ने 91 बिलियन डॉलर की रकम का निवेश ऐसी प्रतिभूतियों में किया था। शेयर बाजार में गिरावट के कारण वह रकम 15 बिलियन डॉलर घट चुकी है। नतीजतन, बैंक के लिए अपनी वचनबद्धताओं को पूरा करना कठिन हो गया है। शेयर बाजार के उछाल के दिनों में जमाकर्ताओं की रकम का निवेश परिसंपत्तियों को रिकॉर्ड ऊंचाई तक ले गया था। लेकिन अब ये सारी परिघटना पलट चुकी है। और यह कहानी सिर्फ एसवीबी की नहीं है। फेडरल रिजर्व ने जब ब्याज दरों में बढ़ोतरी शुरू की, तो कई अर्थशास्त्रियों ने इसका ऐसा नतीजा होने को लेकर चेतावनी दी थी। लेकिन फेडरल रिजर्व की प्राथमिकता मुद्रास्फीति पर नियंत्रण है, जिसके तहत वह ब्याज दर में वृद्धि की नीति पर आगे बढ़ रहा है। इस नीति से पहले बहुत से विकासशील देशों का कर्ज संकट, फिर खुद अमेरिका में होम लोन और क्रेडिट कार्ड ऋण से उपभोक्ता दबाव में आए, और अब यह बात बड़े बैंकों तक पहुंच गई है। और धीरे-धीरे इसका असर सारी दुनिया में फैल जाने का अंदेशा है।

ईडी की कार्रवाई से बिहार भाजपा की उम्मीद

बिहार में भारतीय जनता पार्टी के नेताओं की उम्मीद बहुत बढ़ गई है। लालू प्रसाद के परिवार के खिलाफ और खासतौर से उनके बेटे और राज्य के उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के खिलाफ हुई कार्रवाई से भाजपा को अपने लिए संभावना दिख रही है। जमीन के बदले नौकरी के मामले में तेजस्वी के यहां प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी ने छापा मारा और उससे सीबीआई ने उनको पूछताछ के लिए बुलाया तो अब बिहार भाजपा के नेताओं को लग रहा है कि वे गिरफ्तार हो सकते हैं। ऐसे में राजद के नेता हर हाल में तेजस्वी को गिरफ्तारी से बचाने का प्रयास करेंगे तो नीतीश कुमार उनसे दूरी बनाने का प्रयास कर सकते हैं। इस बीच बिहार भाजपा के नेताओं ने दोनों पार्टियों में फूट डालने का प्रयास शुरू कर दिया है। बिहार भाजपा के सबसे बड़े नेता और राज्यसभा सांसद सुशील मोदी ने एक के बाद एक कई ट्विट करके कहा कि तेजस्वी के यहां छापा मारे जाने और उनकी गिरफ्तारी की संभावना से जदयू खेमे में जश्न का माहौल है। वे बता रहे हैं कि जदयू नेता तेजस्वी की गिरफ्तारी की आस लगाए बैठे हैं ताकि उनके पकड़े जाने के बाद नीतीश कुमार की 2025 तक की राह निष्कंटक हो जाए। असल में भाजपा को लग रहा है कि इस मसले पर दोनों पार्टियों में 2017 की तरह दूरी बनती है तो नीतीश फिर एनडीए खेमे में लौट सकते हैं।

> " जब देश पर ब्रिटिश सरकार काबिज थी, तब उसके दो बड़े दोष सामने आए थे, जिस पर समाज सुधारकों और परंपरावादियों के बीच खुली बहस भी हुई थी। एक था बाल विवाह का चलन, जिसके खिलाफ अंग्रेजी राज की मदद से समाज सुधारकों ने जब कानून बनवाए, तब तमाम पारंपरिक संस्थानों व प्रतिष्ठानों की तरफसे प्रखर विरोध के स्वर उठे। उनका तर्क था कि इससे उनकी संस्कृति नष्ट हो जाएगी, लेकिन धीरे-धीरे हमने बाल विवाह को एक अनुचित परंपरा के रूप में देखना शुरू कर दिया।

एक अलग तरह के विवाह की मांग

आनंद कुमार, समाजशास्त्री

समलैंगिक विवाह को लेकर भारत ही नहीं, दुनिया भर में बड़ी बहस चल रही है। दरअसल, मानव जीवन में विवाह नामक संस्था का केंद्रीय स्थान है और इसे वयस्क जीवन में मर्यादा स्थापित करने वाली व्यवस्था माना जाता है। चूंकि हर धर्म में इस संस्था को बड़ी सावधानी से संजोया गया है, इसलिए विभिन्न परंपराओं में परिवर्तन संभव होने के बावजूद विवाह से जुड़ी मान्यताओं और परंपराओं में फेरबदल शायद बदलाव की आखिरी सीमा होती है। इसकी वजह यह भी है कि विवाह की व्यवस्था को मानव समाज की लगभग तमाम संस्कृतियों में परिवार और प्रजनन, यानी नई पीढ़ी के निर्माण से जोड़कर देखा गया है।

समलैंगिक विवाह में निस्संदेह संतान उत्पत्ति की भूमिका समाप्त हो जाती है, लेकिन विवाह का एक अन्य पक्ष है, स्नेह की डोर। ऐसे कई उदाहरण हैं, जिनमें बिना पूर्व जान-पहचान के शादी होती है, पर वे इसलिए असफल नहीं मानी जातीं, क्योंकि उनमें स्त्री और पुरुष मिलकर संतान को जन्म देते हैं, नई पीढ़ी का निर्माण करते हैं। इसी कारण समलैंगिक विवाह के समर्थकों को विवाह से जुड़ी पारंपरिक दृष्टि से लड़ना पड़ रहा है कि जिस विवाह में संतान के जन्म की गुंजाइश न हो, वह भला कैसे निभेगा? इसके जवाब में समलैंगिक विवाह के समर्थक सिर्फ स्नेह या प्रेम पक्ष की ओर इशारा कर पाते हैं।

फिलहाल, दुनिया भर में पश्चिमीकरण की हवा चल रही है और अमेरिका से लेकर जर्मनी व फ्रांस तक में समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता मिल चुकी है। ऐसे में, भारतीय समाज में पश्चिमीकरण से प्रभावित लोगों के बीच समलैंगिक विवाह के पक्ष में माहौल बनाना मुश्किल नहीं होगा, लेकिन इसे पूरे समाज की मंजूरी दिलाने के लिए सिर्फ कानूनी व्यवस्था पर्याप्त नहीं होगी, इसीलिए समलैंगिक विवाह को लेकर जो सामाजिक चिंतन है, उस पर समाजशात्रियों की निगाह दोनों पक्षों पर है। देखा जाए, तो समलैंगिक विवाह को व्यक्तिगत जीवन के अधिकार क्षेत्र का निर्णय मानने वाले भी अनुचित नहीं कह रहे हैं। पसंद के दोस्त के साथ सहजीवन की स्वतंत्रता भी व्यक्ति की स्वतंत्रता में निहित है। ऐसा भी नहीं कि हमारे समाज में समलैंगिक नहीं रहे हैं, पर मित्रता का निर्वाह करने वाले दो स्त्री या दो पुरुष को समाज में सम्मानजनक जोड़ा नहीं माना जाता। यह एक चुप्पी का क्षेत्र रहा है।

वैसे यह बात छिपी नहीं है कि अब तक भारतीय समाज को अनेक बार विवाह संस्था की समीक्षा की जरूरत महसूस हुई है। जब देश पर ब्रिटिश सरकार काबिज थी, तब उसके दो बड़े दोष सामने आए थे, जिस पर समाज सुधारकों और परंपरावादियों के बीच खुली बहस भी हुई थी। एक था बाल विवाह का चलन, जिसके खिलाफ अंग्रेजी राज की मदद से समाज सुधारकों ने जब कानून बनवाए, तब तमाम पारंपरिक संस्थानों व प्रतिष्ठानों की तरफ से प्रखर विरोध के स्वर उठे। उनका तर्क था कि इससे उनकी संस्कृति नष्ट हो जाएगी, लेकिन धीरे-धीरे हमने बाल विवाह को एक अनुचित परंपरा के रूप में देखना शुरू कर दिया। इसके खिलाफ अब सामान्य जनमत बन चुका है। इसी तरह, विधवा विवाह को लेकर भी बगावत जैसी परिस्थितियां बनीं। शुरू-शुरू में तो ऐसी शादियों में विधवाओं पर लांछन तक लगाए गए। मगर बाद में यह भी परंपराविरोधी और क्रांतिकारी काम माना गया। हालांकि, इन दोनों के अलावा पिछले 100 साल में विवाह संस्था में कुछ अन्य बदलाव भी हुए, जैसे- तलाक (विशेषकर हिंदुओं में इसे लेकर बहुत विवाद था) और तलाकशुदा स्त्री या पुरुष का विवाह। समाजशात्रियों का मानना है कि ऐसा ही बदलाव समलैंगिक विवाह को लेकर भी मुमकिन है, पर समाज की स्वीकृति पाने के लिए अभी धैर्य रखना पड़ेगा, अच्छे तथ्यों व अकाट्य तर्कों की जरूरत पड़ेगी।

यह कोई छिपा रहस्य नहीं है कि समाज का एक उल्लेखनीय हिस्सा ऐसे संबंधों को जीता है, अब यह गैर-कानूनी भी नहीं है, पर अभी ऐसे लोगों को सम्मान की नजर से नहीं देखा जाता है। इसीलिए समलैंगिक विवाह को मंजूरी एक बड़ा बदलाव होगा और इस बदलाव को सहज बनाना इसके समर्थकों की बड़ी जिम्मेदारी होगी। अगर वे आक्रामक हुए और उन्होंने प्रगतिशील व परंपरावादी जैसा वर्गीकरण किया, तो मुश्किलें पेश आएंगी। रही बात परंपरा के पक्षधरों की, तो समाजशात्रियों का अनुमान है कि वे धीरे-धीरे बदलाव के लिए तैयार हो जाएंगे, ऐसा पहले हुआ है।

आज पश्चिमी दुनिया में समलैंगिक विवाह को मान्यता मिल चुकी है। हालांकि, इसमें भी 30-40 वर्षों का वक्त लगा। इसका चर्च ने विरोध किया, परिवार बचाओ आंदोलन खड़े किए गए और तमाम सांस्कृतिक व सामाजिक तर्क परोसे गए, पर आहिस्ता-आहिस्ता समलैंगिकता में रुझान रखने वाले लोगों ने कानून व राज-सत्ता को अपने पक्ष में कर लिया। भारत में यह प्रक्रिया तुलनात्मक रूप से धीरे-धीरे चली है। हमने हाल-फिलहाल ही समलैंगिकता को अपराध की श्रेणी से बाहर निकाला है। जाहिर है, भारतीय समाज के समाज वैज्ञानिक विश्लेषण में समलैंगिकता कोई नई परिघटना नहीं है, पर समलैंगिक विवाह एक नए प्रकार का प्रबंध होगा, जिसे स्वीकार करने में कम से कम एक पीढ़ी का वक्त लग जाएगा। फैसला सुप्रीम कोर्ट की पांच सदस्यीय संविधान पीठ को लेना है और फैसला आसान नहीं है।

समाज की रचना के लिए जिन बुनियादी संस्थाओं की व्यवस्था की गई है, उनमें यौन या वयस्क जीवन के लिए विवाह और परिवार नामक दो संस्थाएं बुनियाद हैं। इन संस्थाओं में धर्म, वर्ग, क्षेत्र आदि के आधार पर विविधता तो है, पर एक ही प्रकार के लोगों का परस्पर विवाह नई बात होगी, क्योंकि परिवारों या विवाहों में समलैंगिकता वाला पक्ष कहीं सामने नहीं आया है। हालांकि, एक ही परिवार में विवाह की परंपरा दिखती है। जैसे, मिस्र के राजपरिवार में शुद्धता के नाम पर भाई व बहन की शादी होती थी, पर बाद में यह भी त्याज्य हो गया। ऐसे में, भारत का कानून यदि समलैंगिक विवाह को मान्यता देता है, तो समाजशास्त्रीय अध्ययन में समलैंगिक जोड़ों के विवाह या परिवार का नया अध्याय जुड़ेगा। समलैंगिक संबंध का नैतिक और ऐतिहासिक आधार पर पक्ष-विपक्ष स्पष्ट है, पर दुनिया में ऐसा कोई समाज नहीं दिखा है, जहां समलैंगिकता मुख्य प्रवृत्ति रही हो। हमारा समाज स्त्री-पुरुष संबंध की बुनियाद पर ही टिका है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

पश्चिम एशिया में शांतिदूत की तरह कैसे सामने आया चीन

जोरावर दौलत सिंह, फेलो, सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च

बीते वर्षों में भारत की शांतिदूत की भूमिका से सबक लेते हुए बीजिंग ने सऊदी अरब और ईरान के बीच मध्यस्थता कर कूटनीतिक दुनिया को चौंका दिया। परंपरागत रूप से भू-राजनीति से अलग-थलग होने के बावजूद चीन संघर्षग्रस्त पश्चिम एशिया में एक प्रमुख खिलाड़ी बनने को तैयार है। यह भले प्रतीकात्मक शुरुआत हो, पर यह इस क्षेत्र में अमेरिकी ताकत की सीमाओं और उभरती बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था को दर्शाता है। पश्चिम एशिया के देश अपना-अपना हित तलाशने में लगे हैं और दुनिया में सक्रिय ताकतों का दोहन करने की तमन्ना रखते हैं।

इस क्षेत्र में कुछ चुनिंदा देशों के समूह के लिए सुरक्षा गारंटर के रूप में अमेरिकी भूमिका हमेशा से खास रही है। यहां अमेरिका जंग और अमन के सवालों को आकार देने वाली अहम ताकत रहा है। शीत युद्ध के दौरान सोवियत संघ इस क्षेत्र के देशों को आर्थिक व सैन्य सहायता के रूप में विकल्प दे सकता था और उसने दिया भी। हाल के दशकों में हमने इस क्षेत्र में एकध्रुवीय दौर को विनाशकारी रूप में देखा है। इराक (2003), लीबिया (2011), सीरिया (2012) में सैन्य हस्तक्षेप और ईरान पर नियंत्रण की कोशिश, सभी का मकसद एकध्रुवीय सुरक्षा संरचना तैयार करना था। हालांकि, एकध्रुवीय सुरक्षा संरचना तैयार नहीं हुई, इसके बजाय दुनिया ने अस्थिरता, छद्म युद्ध और अंततः एक शक्ति शून्य देखा, जिसे संभालने में अमेरिका ने खुद को अस्थिर पाया।

अब दुनिया फिर से शक्ति और प्रभाव के बहुध्रुवीय बंटवारे की ओर बढ़ रही है, ईरान, सऊदी अरब और शायद इजरायल जैसी क्षेत्रीय शक्तियां भी मानने लगी हैं कि अकेले वाशिंगटन एक सुरक्षा संरचना को बनाए नहीं रख सकता। सीरिया युद्ध के बाद से रूस ने पहले ही दिखा दिया है कि उसके पास इस क्षेत्र में हस्तक्षेप करने की क्षमता व इच्छाशक्ति है। यह अमेरिका की ओर से किसी देश में शासन बदलने का आखिरी अभियान था।

यहां चीन की भूमिका अलग है। यहां वह बुनियादी हताशा और युद्ध की थकान पर अपनी नीति और पहल को खड़ा कर रहा है। अब अमेरिका ऐसी भूमिका को नहीं निभा सकता, क्योंकि उसे एक खेमे इजरायल/जीसीसी खेमे की ओर झुकते देखा गया है।

अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन ने और साफ कर दिया कि उन दो देशों (सऊदी अरब और ईरान) के साथ हमारे रिश्तों को देखते हुए हम मध्यस्थ बनने की स्थिति में नहीं थे। चीन जैसे अन्य देशों द्वारा तनाव में कमी लाना मूल रूप से अमेरिकी हितों के प्रतिकूल नहीं है।

रूस द्वारा समर्थित चीन जब सीरिया और ईरान के सुरक्षा भागीदार के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाना जारी रखता है, तो वास्तव में वह सक्रिय रूप से बहुध्रुवीय सुरक्षा ढांचे को बढ़ावा देगा। यह कूटनीतिक घटना एक अन्य प्रमुख प्रवृत्ति को भी दर्शाती है, दुनिया की भू-आर्थिक शक्ति यूरेशिया और एशिया में स्थानांतरित हो रही है। यूरोप ने अपनी अदूरदर्शी नीतियों के चलते खुद को एक तरह से बाहर कर लिया है, जबकि संसाधनों और ऊर्जा से समृद्ध पश्चिम एशियाई देश व्यापार, निवेश सहयोग के साथ एकजुट होना चाहते हैं।

चीन की ताकत वाकई बढ़ रही है। उसने हाल में यूरोपीय संघ को पछाड़ा है। पहले यूरोप के साथ पश्चिम एशिया का व्यापार सबसे ज्यादा था, पर अब चीन आगे हो गया है। चीन ने पश्चिम एशिया के सबसे बड़े वाणिज्यिक भागीदार के रूप में एक दशक पहले ही अमेरिका को पीछे छोड़ दिया था। साल 2021 में पश्चिम एशिया से चीन का आयात अमेरिकी आयात की तुलना में करीब चार गुना ज्यादा था। इस क्षेत्र में चीन का निर्यात भी अमेरिकी निर्यात से ढाई गुना अधिक था। अब पश्चिम एशियाई ताकतें सऊदी अरब-ईरान मिलाप के साथ भविष्य की ओर देख रही हैं। बीजिंग सिर्फ पहले से मौजूद संतुलन को नई दिशा में झुका रहा है, विडंबना है, अमेरिका व रूस ने भी स्वागत किया है।

भारत के लिए यह बदलाव ऐसी सच्चाई को दर्शाता है, जो हाल के वर्षों में नई दिल्ली के सामने रही है। ईरान व सऊदी अरब के साथ एक स्थिर पश्चिम एशिया भारत के हित में है। यूरेशियाई अर्थव्यवस्था से जुड़ने से पश्चिम एशियाई देशों का किसी देश को अस्थिर करने या छद्म संघर्षों में निवेश घटेगा, यह भारत के लिए फायदेमंद है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

महिला उद्यमिता, जी-20 में भारत के लिए एक प्रमुख स्तंभ

डॉ. संगीता रेड्डी और सुश्री अन्ना रॉय

भारत की सर्वाधिक महत्वपूर्ण विकास और समानता प्राथमिकताओं में से एक है- महिला उद्यमिता को बढ़ावा देना। यह एक शक्तिशाली माध्यम है, जो भारत की 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की यात्रा को गति दे सकता है। इसके अलावा, यह उन सबसे महत्वपूर्ण घटकों में से एक है, जो घरेलू आय बढ़ाने, गरीबी को कम करने और 2030 संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी), विशेष रूप से लैंगिक समानता से सम्बन्धित एसडीजी-5 को हासिल करने में सहायता कर सकते हैं। भारत में नारी शक्ति को प्रोत्साहन देने की बात, विभिन्न सरकारी पहलों में परिलक्षित होती है। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन ग्रामीण महिलाओं की उद्यमशीलता को सहायता प्रदान करता है, जिसके तहत 7.5 मिलियन स्वयं-सहायता समूहों से 80 मिलियन से अधिक महिलाएं जुड़ी हुई हैं। मुद्रा योजना, वित्त तक पहुंच को सक्षम बनाती है और जेम (जीईएम) पोर्टल सभी सरकारी खरीद का 3 प्रतिशत महिला उद्यमियों के लिए आरक्षित करता है।

नीति आयोग के शोध से संकेत मिलता है कि महिलाओं उद्यमिता को स्थायित्व प्रदान करने, स्वायत्त बनाने तथा औपचारिक क्षेत्र में लाने के लिए सहायता देने की आवश्यकता है। इन उद्यमों की रोजगार सृजन क्षमताओं का विभिन्न शोधपत्रों और रिपोर्टों में उल्लेख किया गया है, जो समाज एवं अर्थव्यवस्था के लिए अतिरिक्त लाभ पैदा करने में सक्षम हैं।

अपनी जी-20 अध्यक्षता के तहत, भारत ने आठ प्राथमिकता वाले क्षेत्रों की पहचान की है, जिसमें अन्य के साथ-साथ महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास और सार्वजनिक डिजिटल अवसंरचना शामिल हैं। इसके अलावा, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के नेतृत्व में महिलाओं के आर्थिक प्रतिनिधित्व के सशक्तिकरण और प्रगति के लिए जी-20 गठबंधन (जी20 एम्पॉवर) का उद्देश्य महिलाओं के विकास से सम्बन्धित नैरेटिव को महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास में परिवर्तित करना है। महिला उद्यमी इस बदलाव के केंद्र में हैं और जी-20 एम्पॉवर का नेतृत्व कर रही हैं। हमें चुनौतियों को अवसरों में बदलना चाहिए और अधिक से अधिक महिलाओं को कार्यबल तथा महिलाओं के नेतृत्व वाली उद्यमिता में शामिल करने के लिए बदलाव को तेज करना चाहिए। जैसा एसडीजी प्रदर्शित करते हैं, महिला-केन्द्रित दृष्टिकोण अपनाने और महिलाओं को अधिक अवसर प्रदान करने की संस्कृति के निर्माण के लिए, हमारे देश में और विश्व स्तर पर सहयोग-आधारित एवं ठोस कार्रवाई करने की आवश्यकता है।

डिजिटलीकरण एक अत्यंत प्रभावशाली माध्यम है जो महिलाओं की आर्थिक भागीदारी को मजबूत करने में काफी मददगार साबित हो सकता है। इसके अलावा, ऐसे कई क्षेत्र हैं जहां अपने संस्थान के कार्यालय से काफी दूर रहकर भी सतत रूप से अपना आधिकारिक कामकाज निपटाना बिल्कुल संभव है और इसके साथ ही यह महिला श्रमबल को रोजगार प्रदान करने का व्यापक अवसर भी प्रदान करता है। जी-20 सशक्तिकरण प्लेटफॉर्म के जो तीन प्राथमिकता वाले क्षेत्र हैं उनका उद्देश्य इन संवादों को निम्नलिखित दृष्टिकोणों के जरिए ठोस कदमों में परिवर्तित करना है।

पहला, महिला उद्यमिता पर ध्यान केंद्रित करें: महिलाओं के नेतृत्व वाले और महिलाओं के स्वामित्व वाले व्यवसायों को बढ़ावा देने के लिए कौशल विकास, क्षमता निर्माण, सहायक बुनियादी ढांचागत सुविधाओं और वित्त तक महिलाओं की पहुंच बढ़ाएं। दूसरा, महिलाओं के नेतृत्व को बढ़ावा देने के लिए साझेदारी सुनिश्चित करें जिसका उद्देश्य उनका सार्वजनिक प्रतिनिधित्व बढ़ाना, सार्वजनिक सुविधाओं तक उनकी पहुंच बनाना, और सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्रों के श्रमबल में उनकी भागीदारी बढ़ाना हो। तीसरा, शिक्षा की दिशा में काम करें जो निर्णय लेने वाली भूमिकाओं में महिलाओं के प्रतिनिधित्व को सुविधाजनक या काफी आसान बना देती है।

महिला उद्यमिता प्लेटफॉर्म (डब्ल्यूईपी) ज्ञान की खाई को पाटने में एक अत्यंत महत्वपूर्ण माध्यम है: जिस तरह से भारतीय महिलाएं और बालिकाएं शिक्षा प्रणाली से आगे निकल कर नौकरी करने की दुनिया की ओर तेजी से कदम बढ़ा रही हैं और स्वयं के जीवन में व्यापक बदलाव ला रही हैं, उसे देखते हुए यह कहा जा सकता है कि भारत उन 55 मिलियन अतिरिक्त महिलाओं के लिए एक मजबूत उद्यमिता मार्ग बना रहा है जो वर्ष 2030 तक संबंधित श्रमबल का हिस्सा बन सकती हैं।

वैश्विक उद्यमिता शिखर सम्मेलन 2017 में घोषणा किए जाने के बाद डब्ल्यूईपी के अभिनव आइडिया को नीति आयोग में मूर्त रूप दिया गया। आज यह एक मजबूत सार्वजनिक-निजी भागीदारी का एक उत्कृष्ट उदाहरण है, जो महिला उद्यमियों को बहुक्षेत्रीय सहयोग प्रदान करता है। यह जागरूकता, प्रशिक्षण, कौशल विकास, वित्त और विपणन संबंधी आवश्यकताओं तक पहुंच के जरिए बड़ी संख्या में महिला उद्यमियों को तैयार कर रहा है। डब्ल्यूईपी इसके साथ ही डेटा सृजित करके एक उत्कृष्ट विचारक के रूप में भी उभर कर सामने आया है जो महिलाओं के नेतृत्व और मानसिक सेहत पर विशेष रूप से ध्यान केंद्रित करते हुए महिलाओं की उद्यमशीलता की जरूरतों को बेहतर ढंग से समझने में मदद करता है। इसके साथ ही यह योजना भी बनाई गई है जिसके तहत प्रौद्योगिकी और विभिन्न बाधाओं को कम करने पर विशेष जोर दिया गया है, ताकि तेजी से प्रगति सुनिश्चित करने के लिए किसी पारंपरिक स्टोर में काम करने के दृष्टिकोण को अनिवार्य किए बिना ही महिलाएं तरह-तरह की दक्षताओं से लाभ उठा सकें।

भारत की जी-20 अध्यक्षता वाले इस वर्ष में पूरी दुनिया विभिन्न संस्थानों, देशों, पहलों और लोगों के बीच बेहतरीन सहयोग की साक्षी बनेगी। यह भारत की अद्भुत 'नारी शक्ति' को भी दर्शाएगा, जिनमें से सभी समृद्ध समाजों और अर्थव्यवस्थाओं के अग्रणी के रूप में उभर कर सामने आएंगे। संगीता रेड्डी अपोलो हॉस्पिटल्स की संयुक्त प्रबंध निदेशक, फिक्की की पूर्व अध्यक्ष, सशक्तिकरण-20 की अध्यक्ष और डब्ल्यूईपी की संचालन समिति की सह-अध्यक्ष हैं। अन्ना रॉय वरिष्ठ सलाहकार, नीति आयोग और मिशन निदेशक, डब्ल्यूईपी हैं।

ये इनके निजी विचार हैं।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान
विज्ञापन के लिए संपर्क करे:-
9827806026,
7869620239

Sargam Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair

DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी

JITU'Z CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बैंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com WWW.ONLYTDS.COM

नई तस्वीरः खुशियों भरी रही दीदियों की होली, हर्बल गुलाल बेचकर कमाएं 50 हजार

श्रीकंचनपथ न्यूज

दंतेवाड़ा। बदलाव ही प्रकृति का नियम है इसी को सच कर दिखाती महिलाएं अब पारंपरिक रीति–रिवाजों की बेड़ियों को तोड़ अब आत्मविश्वास के साथ सफलता की कहानी लिख रहीं हैं। इसी तरह दंतेवाड़ा जिले की महिलाएं भी अब चूल्हा, चौका, घूंघट से निकल रोजगार के क्षेत्र में किस्मत आजमा रहीं हैं, साथ ही महिला सशक्तिकरण की मिसाल भी पेश कर रही हैं।

जिले में विगत पांच वर्ष से हर्बल गुलाल को प्रोत्साहन देने हेतु कृषि विज्ञान केन्द्र, दंतेवाड़ा के द्वारा जिले की स्व–सहायता समूह की महिलाओं को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। ये रंग प्राकृतिक फूल से तैयार किया जाता है जिसमें गुलाल बनाने हेतु आरारोट पावडर के साथ विभिन्न रंग के लिये हमारे आस–पास उपलब्ध प्राकृतिक रंगों के स्त्रोत जैसे हल्दी, सिन्दूर बीज, पालक भाजी, सेम की पत्ती, गेंदा फूल, अपराजिता फूल, पलाश का फूल, कत्था एवं धंवई आदि का उपयोग किया जाता है। इस वर्ष भी कृषि विज्ञान केन्द्र, दंतेवाड़ा द्वारा 03 स्व–सहायता समूह ग्राम कारली से रानी स्व–

सहायता समूह, ग्राम छोटे तुमनार से जयभैरम स्व–सहायता समूह एवं उर्रेमारा स्व–सहायता समूह की महिलाओं को प्रशिक्षण दिया गया। समूह में लगभग 30–35 दीदियां जुड़ी हुई हैं। समूह द्वारा 250 कि.ग्रा. हर्बल गुलाल का उत्पादन किया गया। गुलाल को प्रति किलोग्राम 200 रुपये राशि से बेचा गया। गुलाल के विक्रय होने से दीदियों ने 50 हजार रुपये का मुनाफा कमाया। समूह कि दीदियां कहती है कि आने वाले साल में इससे भी अधिक आय की आशा रखती है। इन महिलाओं को देख क्षेत्र के अन्य महिलाएं भी प्रेरित हो रही हैं और रोजगार से जुड़ रही हैं और परिवार का सहयोग कर रही हैं आज बदलते समय के साथ उन्होंने अपनी एक पहचान बना ली है, शासन प्रशासन के प्रयासों से ग्रामीण क्षेत्रों में भी विशेष रूप से महिलाओं कि स्थिति में काफी सुधार हुआ है।

बिहान की महिलाओं ने गुलाल से गुलाबी, गेंदे से पीला, पलास से नारंगी, पालक एवं नीम से बेहतरीन हर्बल गुलाल बनाये, जिनकी बाजार में खू मांग रही। स्थानीय बाजार के साथ ही सी–मार्ट के माध्यम से बिहान हर्बल गुलाल की बिक्री हुई। इकोंफ्रेंडली होने के कारण बिहान हर्बल गुलाल की मांग बढ़ी। रसायनिक रंगों के दुष्प्रभाव के कारण जनसामान्य ने भी हर्बल गुलाल की खरीदी की।

खास खबर

भाजपा के आंदोलन को जनता ने नकारा - कांग्रेस

रायपुर। प्रधानमंत्री आवास योजना को लेकर भाजपा के विधानसभा घेराव पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा कि भाजपा के आंदोलन को जनता ने नकारा दिया। 1 लाख का दावा किया था बमुश्किल दस हजार भी नहीं जुटे। भाजपा का झूठ जुमलो से भरा घड़ा फूट गया विधानसभा घेराव में पीएम आवास के हितग्राही नहीं बल्कि भाजपा ग्राही ही नजर आए। प्रधानमंत्री आवास योजना के विषय में कांग्रेस सरकार का परफारमेंस भाजपा शासित राज्यों से बेहतर है। गरीबों के मकान बनाने में भूपेश सरकार केंद्र सरकार से ज्यादा अंशदान दे रही है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा कि चुनाव नजदीक आते ही भाजपा को गरीबों की आवास की चिंता होने लगी। असल मायने में भाजपा को गरीबों की नहीं बल्कि अपनी डूबती राजनीतिक नया को बचाने के लिए इस प्रकार से झूठ से भरे पैंतरा का इस्तेमाल करना पड़ा है। यह वही भाजपा है जो 15 साल के सत्ता के दौरान प्रदेश के लाखों गरीबों के आवास और मकान पर बुलडोजर चलाने का काम किए थे लाखों लोगों को घर से बेघर किए थे। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना 2015 में शुरू हुई और 2018 तक प्रदेश में रमन भाजपा की सरकार थी उस दौरान मात्र ग्रामीण क्षेत्रों में 237000 और शहरी क्षेत्रों में मात्र 19000 मकान ही बना पाए थे। भूपेश बघेल की सरकार ने 4 साल में रिकॉर्ड प्रधानमंत्री आवास का निर्माण कराये हैं। पूरे प्रदेश में 1304000 प्रधानमंत्री आवास बना है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा कि भाजपा छत्तीसगढ़ में मुद्दा विहीन हो चुकी है। 2023 के चुनाव में भाजपा को 14 सीट बचाने की लाले पड़ रही है और भाजपा आदतन अनुसार झूठ फरेब और गुमराह की राजनीति कर राजनीतिक धरातल बचाना चाहती है। भाजपा के 9 सांसद हैं अगर प्रदेश में 16 लाख हितग्राहियों को प्रधानमंत्री आवास मिलने की बात भाजपा कर रही है तो भाजपा के 9 सांसद को इस मामले को सदन में उठाना चाहिए और सदन में नरेंद्र मोदी को बताना चाहिए कि आखिर प्रदेश के 16 लाख हितग्राहियों को प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ कब मिलेगा? क्योंकि प्रदेश में 16 लाख के करीब (13 लाख कांग्रेस सरकार + 2.56 लाख भाजपा सरकार के समय) प्रधानमंत्री आवास बनाए जा चुके हैं। ऐसे में भाजपा के झूठ का पर्दाफाश हो चुका है कांग्रेस की सरकार तो प्रत्येक गरीब के आवास बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

जिले में 9 परिवहन सुविधा केन्द्र का सफलतापूर्वक किया जा रहा संचालन

परिवहन सुविधा केंद्र से अब तक 631 हितग्राहियों ने बनाए अपने लर्निंग लाइसेंस

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोण्डागांव। छत्तीसगढ़ में परिवहन संबंधी सेवाओं को आसान और घर के निकट उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिले में परिवहन सुविधा केन्द्र की स्थापना की गई हैं। इसके तहत जिले में कुल 12 परिवहन सुविधा केन्द्र प्रस्तावित है। वर्तमान में अब तक कुल 9 परिवहन सुविधा केन्द्रों की स्थापना की जा चुकी हैं एवं शेष बचे 3 परिवहन सुविधा केंद्र हेतु नवीन आवेदन आमंत्रित किये जा रहे हैं।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने परिवहन संबंधी सेवाओं में विस्तार के लिए पूरे प्रदेश में 1000 परिवहन सुविधा केन्द्रों की स्थापना की घोषणा की है।छत्तीसगढ़ देश का पहला राज्य है। जहां परिवहन सुविधा केंद्र की स्थापना की जा रही है।

इन सुविधा केंद्रों के बाद अब लोगों को न केवल एजेंटो से छुटकारा मिलेगा बल्कि घर के नजदीक ही परिवहन से संबंधित तमाम कार्य भी पूरे हो जाएंगे। परिवहन सुविधा केन्द्र की स्थापना से एक ओर जहां परिवहन सुविधाओं के लिए लोगों की पहुंच आसान हो जाएगी। वहीं लोगों को इसके संचालन के जरिए रोजगार भी उपलब्ध हो रहा हैं। कोंडागांव जिले के 5 विकासखण्ड में वर्तमान में कुल 9 परिवहन सुविधा केंद्र संचालित किए जा रही है जिसमें से कोण्डागांव ब्लॉक में तीन फरसगांव और केशकाल ब्लॉक में दो–दो एवं बड़ेराजपुर और माकड़ी में एक–एक परिवहन सुविधा केंद्र संचालित हो रही है।

कोण्डागांव के घड़ी चौक में स्थित परिवहन सुविधा केंद्र में जैतपुरी से लाइसेंस बनवाने आये रमेश कुमार नेताम बताते हैं कि मेरा लाइसेंस नहीं बना था लाइसेंस बनाने के लिए आरटीओ ऑफिस या या किसी एजेंट के चक्कर काटना पढ़ रहा था परंतु जब मुझे घर के नजदीक परिवहन सुविधा केंद्र खुलने की जानकारी मिली तो यहां आकर मैनें आवेदन दिया जिससे मेरा लर्निंग लाइसेंस कुछ घंटों में ही बनकर तैयार हो गया। अब घर के नजदीक ही परिवहन सुविधा केंद्र खुलने से हमे बहुत अच्छी सुविधा मिल रही है।

छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा लोगों को राहत देने के लिए परिवहन विभाग की ओर से क्षेत्रीय परिवहन सुविधा केंद्र ही स्थापना की जा रही है। घड़ी चौक स्थित सुविधा केंद्र के संचालक शिशिर श्रीवास्तव बताते हैं कि यह सरकार की एक अनूठी पहल है इससे पहले लाइसेंस के लिए लोगों को बहुत ज्यादा भटकना पड़ता था। लेकिन जब से सरकार ने राज्य के प्रत्येक विकासखंड अलग–अलग इलाकों के लिए परिवहन सुविधा केंद्र की स्थापना की है तब से लोगों को इससे काफी राहत मिल रही हैं। पहले लोगों को लाइसेंस बनवाने के लिए जिला मुख्यालय में स्थित आरटीओ ऑफिस आना पड़ता था जहां सुबह से शाम तक लाइन में खड़े रहना पड़ता था जिसकी वजह से बहुत से लोग एजेंडों के चंगुल में फंस जाते थे जहां उनसे अतिरिक्त शुल्क लिया जाता था। लेकिन अब घर के आस.पास परिवहन सुविधा केंद्र के खुलने से लोगों को आसानी हो रही है।

अब लोग जब चाहे सुविधा केंद्र में आकर लर्निंग के लिए अप्लाई कर सकते हैं। यहां ऑनलाइन आवेदन एवं टेस्टिंग के बाद तत्काल उनका लर्निंग लाइसेंस बनकर तैयार हो जाता है। इससे लोगों को बड़ी सुविधा मिल रही है वर्तमान में हमें लर्निंग के लिए कहा गया है साथ ही हमारे द्वारा आरटीओ से संबंधित अन्य सुविधाएं जैसे नाम ट्रांसफर का भी फॉर्म भर के आरटीओ ऑफिस भेज दिया जाता है।

दिव्यांग बच्चों ने हाईकोर्ट, एयरपोर्ट और कानन पेंडारी का किया शैक्षणिक भ्रमण

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। कलेक्टर सौरभ कुमार के मार्गदर्शन में समग्र शिक्षा परियोजना अंतर्गत जिले के 45 दिव्यांग बच्चों ने हाईकोर्ट, चकरभाठा एयरपोर्ट, कानन पेंडारी का बड़े उत्साह के साथ शैक्षणिक भ्रमण किया। भ्रमण कार्यक्रम के दौरान बच्चों को सर्वप्रथम बिलासपुर हाईकोर्ट का अवलोकन कराया गया। बच्चों ने न्यायमूर्ति व्यास और न्यायमूर्ति चंदेल के कोर्ट में सुनवाई प्रक्रिया का अवलोकन एडिशनल रजिस्टार कुजूर जी एवं नीरज शर्मा के मार्गदर्शन में किया।

बच्चों ने हाईकोर्ट की लाइब्रेरी और आडिटोरियम का भ्रमण भी किया। जहां प्रोटोकॉल अधिकारी श्री श्रीवास्तव द्वारा बच्चों को जीवन के चुनौतियों का साहस के साथ सामना करने हेतु प्रेरित किया गया। बच्चों को बिलासा दाई केवटिन एयरपोर्ट बिलासपुर का भ्रमण कराया गया। जहां बच्चो को हवाई जहाज, एरोड्रम एवम् अन्य प्रासंगिक विषयों के बारे में वहां के अधिकारियों द्वारा विस्तार से जानकारी दी गई। 'इसके अलावा बच्चो को कानन पेंडारी जू का भी भ्रमण कराया गया। जहां बच्चों को विभिन्न प्रकार के जीव जंतुओं और पर्यावरण संरक्षण से अवगत कराया गया।

सभी बच्चों को डीएमसी श्रीमती अनुपमा राजवाड़े द्वारा टी शर्ट, केप और स्टेशनरी सामग्री का वितरण किया गया तथा उन्हें परीक्षा की तैयारी पूर्ण मनोयोग से करने हेतु प्रेरित किया गया। भ्रमण का नेतृत्व सहायक कार्यक्रम समन्वयक, समावेशी शिक्षा डॉ अखिलेश तिवारी द्वारा किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में जिले के बीआरपी पूर्णिमा, आराधना, सुदीप, कमलेश, श्याम नारायण और स्पेशल एजुकेटर सुष्मिता, भूपेंद्र, गोविंद, उत्तम, विनीता एवं थेरेपिस्ट मंजुलता और हेल्पर की भूमिका सराहनीय रही।

प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना जल ग्रहण का एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

सूरजपुर। प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना जल ग्रहण विकास घटक के तहत कलेक्टर इफ्फत आरा आईएएस एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत लीना कोसम जी के मार्गदर्शन में जनपद पंचायत भैयाथान के ग्राम बुंदिया के ग्राम पंचायत भवन में एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण में जलग्रहण समिति स्वयं सहायता समूह उपयोगकर्ता दल उपस्थित रहे। जनपद अध्यक्ष श्रीमती सुलोचनी पैकरा, मां सरस्वती के पूजा पश्चात, सरपंच सह अध्यक्ष रतियो टोप्पो, उपसरपंच, रोजगार सहायक नीता गुप्ता, डॉ. दिव्य प्रकाश पैकरा पशु चिक्त्सिा अधिकारी, शेखर कुमार सोनी कृषि विकास अधिकारी, विवेक कुमार गुप्ता (जलग्रहण विकास दल सदस्य), सुखलाल राजवाड़े ग्राम सचिव, गोरेलाल टोप्पो, किसान मित्र सुरेंद्र पैकरा, गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति में प्रशिक्षक एवं प्रशिक्षणार्थियों द्वारा प्रशिक्षण की शुरुआत किया गया। परकोलेशन टैंक, खेत तालाब, मत्स्य पालन तालाब, चेक डैम आदि संरचनाओं की आवश्यकता और उपयोगिता की जानकारी प्रदान की गई।

राईस मिलर्स को फोर्टीफाइड राईस के मैन्युफैक्चरिंग, भंडारण हेतु दिया गया प्रशिक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

सूरजपुर। राज्य शासन के निर्देशानुसार कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में सूरजपुर, कोरिया, मनेंद्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर के खाद्य अधिकारी, जिला विपणन अधिकारी, जिला प्रबंधक नागरिक आपूर्ति निगम, गुणवत्ता निरीक्षक साथ ही तीनों जिला के राइस मिलर्स को राज्य स्तर द्वारा नियुक्त मास्टर ट्रेनर सीनियर प्रोग्राम एसोसिएट वर्ल्ड फूड प्रोग्राम छत्तीसगढ़ कस्तूरी पंडा के द्वारा फोर्टीफाइड राइस के मैन्युफैक्चरिंग प्रक्रिया एवं गुणवत्ता नियंत्रण, गुणवत्ता लेवलिंग और पैकेजिंग, रखरखाव फोर्टीफाइड राइस के मैन्युफैक्चरिंग के संबंध में प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में सूरजपुर, कोरिया, मनेंद्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर के खाद्य अधिकारी, सहायक खाद्य अधिकारी, खाद्य निरीक्षक एवं अन्य कर्मचारी उपस्थित थे।

सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी की पूर्ति हेतु चावल फोर्टिफिकेशन सूक्ष्म पोषक तत्वों की पूर्ति का प्रयास किया जा रहा है। सूक्ष्म पोषक तत्व जैसे आयरन, जिंक, फोलिक एसिड विटामिन बी 12, विटामिन ए पाए जाते हैं। फोटो फिकेशन चावल में आवश्यक विटामिन, खनिजों की आपूर्ति निश्चित की जाती है। फोर्टीफाइड चावल में आयरन फोलिक एसिड, विटामिन बी 9, विटामिन बी 12 सूक्ष्म तत्व मिश्रित किए जाते हैं। सभी उत्पादक राइस मिलर्स हेतु खाद्य सुरक्षा मानक लाइसेंस की अनिवार्यता के बारे में बताया गया जो खाद्य श्रेणी 6.0 होगा। साथ ही आवश्यक सावधानियां के बारे में विस्तार से बताया गया तथा आवश्यक दस्तावेजों के संधारण के बारे में भी बताया गया। फोर्टीफाइड चावल की बोरियों की पैकेजिंग, लेबलिंग, भंडारण के बारे में भी जानकारी दी गई।

अप्रैल 2023 से सामान्य राशन कार्ड के अतिरिक्त सभी राशन कार्ड धारियों को फोर्टीफाइड चावल वितरण प्रारंभ होने जा रहा है। यह जानना आवश्यक है कि चावल का फोर्टिफिकेशन क्यों जरूरी है भारत में 70 प्रतिशत लोग सूक्ष्म पोषक तत्वों की आवश्यकता का 50 से 70 प्रतिशत मात्रा का ही उपभोग करते हैं। इसकी पूर्ति के लिए चावल में आवश्यक सूक्ष्म तत्वों को मिश्रित किया जाता है। जिसे फोर्टीफाइड चावल कहा जाता है।

निर्माणाधीन मां दंतेश्वरी मक्का प्लांट को देख क्षेत्र के किसानो में उत्साह

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोण्डागांव। जिला मुख्यालय से 14 किलोमीटर दूर ग्राम कोकोड़ी में निर्माणाधीन माँ दंतेश्वरी मक्का प्रसंस्करण प्लांट का जिले के बड़ेकुरूसनार के किसानों ने भ्रमण किया। जिसमें किसानों ने निर्माणाधीन प्लांट के बारे में जाना। प्लांट के इंचार्ज अधिकारी रवि ने किसानों को पूरे प्लांट का भ्रमण कराते हुए प्लांट के बारे में बारीकियों से किसानों को बताया। वर्तमान में प्लांट के फर्मेंटेशन टैंक का सिविल वर्क लगभग पूर्ण है साथ ही लिक्विफिकेशन टैंक, कूलिंग टावर, स्टोरेज टैंक,

एमसीसी रूम, पावर प्लांट निर्माण, साईलो निर्माण का कार्य अभी तीव्र गति से चलाया जा रहा है । किसान निर्माणाधीन प्लांट को देख कर बहुत खुश हुए । प्लांट के इंचार्ज ने किसानों को बताया की प्लांट निर्माण का कार्य तेजी से चल रहा है और जून माह में निर्माण कार्य पूर्ण कर प्लांट प्रारम्भ कर दिया जाएगा । बड़ेकुरूसनार के किसान महेश यादव और सुखलाल दीवान खुशी जताते हुए बोले की प्लांट को देख कर बहुत खुशी हुई आने वाले समय में जब प्लांट बन कर तैयार हो जाएगा तब हमारे जैसे इस क्षेत्र के किसानों को अपने फसल की बिक्री के लिए दरदूदर भटकने की जरूरत नही पड़ेगी। आगे महेश यादव कहते हैं कि जिले में प्लांट बनने की खुशी में इस बार क्षेत्र के किसान सबसे अधिक अपने खेतो में मक्का की फसल लगायें हैं । चूंकि पहले बिचौलियों के पास मक्का बिक्री करते थे पर अब सीधे प्लांट में सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम समर्थन मूल्य पर अपना मक्का बेच सकेंगे।

आवश्यकता है
लड़के एवं लड़कियों की
वेतन चार अंकों में
भिलाई मसाला उद्योग
128, ए– मार्केट, सेक्टर–6, भिलाई,
फोन. 2284508, मो. 9826137766

खास खबर...

राज्य स्तरीय समन्वय समिति की बैठक कल

रायपुर (ए)। राज्य में तंबाकू उत्पादों का सेवन करने वालों विशेषकर गैर धूम्रपान यानी चबाने वाले तंबाकू के उपयोगकर्ताओं की संख्या सर्वाधिक है। इनमें युवा भी शामिल हैं। इस विषय पर गंभीरता दर्शाते हुए राज्य सरकार ने बीते दिनों तंबाकू युक्त उत्पादों पर नियंत्रण के लिए महत्वपूर्ण निर्णय भी लिया है, ताकि छत्तीसगढ़ तंबाकू मुक्त राज्य बन सके। इसी क्रम मे तंबाकू नियंत्रण की दिशा में ठोस कदम उठाने के लिए 17 मार्च शुक्रवार को राज्य स्तरीय समन्वय समिति की बैठक आहुत की गई है।

आयोजित होने वाली इस बैठक में एक ओर जहां राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम की राज्य में प्रगति की समीक्षा की जाएगी। साथ ही तंबाकू मुक्त राज्य निर्माण की दिशा में रणनीति भी तैयार होगी। इस संबंध में छत्तीसगढ़ शासन लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्णाय विभाग के अवर सचिव रोमन कुमार गंगाकचूर ने पत्र जारी कर सभी सदस्यों को उपस्थित होने को कहा है। बताते चलें स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के दिशा-निर्देशानुसार राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम और सिगरेट एवं अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम 2003 से संबंधित विभिन्न गतिविधियों के संचालन के लिए राज्य स्तरीय समन्वय समिति का गठन हुआ और हर तीन माह में मूल्यांकन एवं पर्यवेक्षण किया जाना तय हुआ।

एनिमियाः लक्षण दिखें तो बरते सावधानी, इन उपायों को अपनाकर पा सकतें है सही इलाज

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। शरीर में खून की कमी होना लोगों की आम समस्या बन गई है। यह विशेष रूप से छोटे बच्चों और गर्भवती महिलाओं को अधिक प्रभावित करती है। खून में हीमोग्लोबिन की मात्रा का एक स्तर से कम हो जाना चिकित्सीय भाषा में एनीमिया कहलाता है। डब्ल्यूएचओ के अनुसार दुनिया भर में 5 साल से कम उम्र के 42 प्रतिशत बच्चे और 40 प्रतिशत गर्भवती महिलाएं एनीमिक हैं। इस प्रकार एनीमिया वर्तमान समय की एक गंभीर वैश्विक सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या है।

हीमोग्लोबिन, हीम अर्थात् आयरन और ग्लोब्यूलीन एक प्रोटीन से मिलकर बना होता है। यह लाल रक्त कोशिकाओं का एक अत्यंत आवश्यक घटक है। शरीर में हीमोग्लोबिन की आवश्यकता ऊतकों तक ऑक्सीजन ले जाने के लिए होती है। यदि रक्त में हीमोग्लोबिन बहुत कम हो या लाल रक्त कोशिकाएं असामान्य हों, तो शरीर के ऑक्सीजन ले जाने की क्षमता कम हो जाती है। इससे भूख नहीं लगना, थकान, कमजोरी, चक्कर आना और सांस की तकलीफ जैसे कई लक्षण दिखाई देने लगते हैं।

एनीमिया किसे कहते हैं

एनीमिया एक ऐसी स्थिति है जिसमें लाल रक्त कोशिकाओं की संख्या या उनमें हीमोग्लोबिन की मात्रा सामान्य से कम हो जाती है। शारीरिक जरूरतों को पूरा करने के लिए आवश्यक हीमोग्लोबिन की मात्रा व्यक्ति के उम्र, लिंग, निवास स्थल की ऊंचाई, शारीरिक अवस्था जैसे गर्भावस्था की स्थिति में भिन्न-भिन्न होती है। आयरन की कमी से होने वाला एनीमिया सबसे आम प्रकार है जो मुख्य रूप से महिलाओं को प्रभावित करता है। रक्त की अधिक आवश्यकता के कारण हीमोग्लोबिन की कमी गर्भावस्था के दौरान जटिलताएं पैदा कर सकता है। रक्त में हीमोग्लोबिन की सही मात्रा होने से बच्चे का उचित शारीरिक एवं मानसिक विकास होता है। शरीर चुस्त रहता है और मन में फुर्ती रहती है, रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ जाती है।

एनीमिया के प्रमुख लक्षण-

- त्वचा, चेहरे, जीभ एवं आँखों में लालिमा की कमी।
- काम करने पर जल्दी ही थकावट हो जाना।
- सांस फूलना या घुटन होना।
- काम में ध्यान न लगना और बातें भूल जाना।
- चक्कर आना।
- भूख न लगना।
- चेहरे और पैरों में सूजन।

एनीमिया के कारण और निवारण-

- बच्चों, महिलाओं और गर्भवती स्त्रियों में एनीमिया के अलग-अलग कारण हो सकते हैं। इन्हें जानकर दूर करने से एनीमिया से मुक्ति पाई जा सकती है।

बच्चों में एनीमिया के प्रमुख कारण-

- जन्म के समय एनीमियाग्रस्त माता से।
- जन्म के एक घण्टे में स्तनपान न कराए जाने से।
- ऊपरी आहार बहुत जल्दी या देर से शुरू करना।
- भोजन में आयरन तत्वों की कमी होना।
- पेट में कीड़े होना।
- साफ-सफाई की कमी होना।

गर्भवती महिलाओं में एनीमिया के प्रमुख कारण-

- भोजन में आयरन तत्वों की कमी होना।
- माहवारी के दौरान ज्यादा खून बहने से।
- गर्भावस्था के दौरान शरीर में अधिक आयरन की जरूरत के कारण।
- कम उम्र में गर्भधारण।
- दो बच्चों के जन्म के बीच में दो साल से कम अंतराल होने पर।
- गर्भपात के कारण।
- मलेरिया या पेट में कीड़ों के कारण।
- पीने के पानी में फ्लोरोसिस की अधिक मात्रा होने पर।
- साफ-सफाई की कमी होने पर।

एनीमिया से होने वाली स्वास्थ्गत परेशानियां-

- बच्चे का मानसिक एवं शारीरिक विकास कम होना।
- किसी काम में ध्यान नहीं लगा पाना।
- मेहनत करने की क्षमता कम होना।
- बीमारी से संक्रमण का खतरा बढ़ जाना।
- माहवारी में अत्याधिक रक्तस्त्राव।
- प्रसव के दौरान मृत्यु की संभावना।
- नवजात बच्चे का कम वजन और खून की कमी होना।

एनीमिया से बचाव के लिए सही पोषण-

- स्वस्थ शरीर और तेज़ दिमाग के लिए सभी आयु वर्ग को आयरन युक्त आहार का सेवन करना चाहिए।
- सोयाबीन, काले चने और दालें जैसे मसूर, उड़द, अरहर, चना आदि को भोजन में प्राथमिकता दे।
- पत्तेदार सब्जियां जैसे चौलाई, पालक, सहजन, सरसों, चना, अरबी, और मेथी के साग तथा प्याज की कली और पुदीना को दैनिक आहार में शामिल करें।
- अन्य सब्जियां जैसे कच्चा केला, सीताफल आदि का सेवन करें।
- रामदाना और तिल जैसे बीज खाएं।
- मांसाहारी होने पर अण्डा, मीट, कलेजी, मछली आदि का सेवन करें।

गुढ़ियारी में 18 को कर्मा जयंती महोत्सव

रायपुर (ए)। राजधानी के गुढियारी परिक्षेत्र साहू समाज द्वारा अपने समस्त वार्डों के पदाधिकारियों के सहयोग से दो दिवसीय 18 एवं 19 मार्च को कर्मा जयंती एवं भारत माता चौक स्थित कर्मा मंदिर में कर्मा की प्रतिमा का प्राण प्रतिष्ठा समारोह का आयोजन किया गया है। गुढियारी परिक्षेत्र के संरक्षक डॉ.जीवन लाल साहू एवं अध्यक्ष लालाराम साहू ने संयुक्त रूप से बताया कि 17 मार्च को सुबह 11 बजे से मोटर साइकिल रैली निकाली जाएगी जो दोपहर 2 बजे तेलघानी नाका में शहर जिला साहू संघ द्वारा निकाली गई बाइक रैली में शामिल हो जाएगी।

18 मार्च को हनुमान मंदिर गुढियारी से कलश एवं शोभायात्रा मां कर्मा की झांकीए राउत नृत्य एवं बाजे-गाजे के साथ निकाली जाएगी जो महाकाल शिव मंदिर कर्मा धाम भारतमाता चौक कोटा रोड तक आएगी और यहां नवनिर्मित मंदिर में पूजा अर्चना के बाद प्रतिमा स्थापित की जाएगी। दूसरे दिन 19 मार्च रविवार को सम्मान समारोहए होली मिलन एवं अतिथियों का अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया है। जिसमें प्रमुख अतिथिगण शामिल होंगे। उक्त जानकारी महावीर प्रसाद साहू उपाध्यक्ष शहर जिला साहू संघ ने दी।

छत्तीसगढ़ी को शिक्षा की भाषा बनाने कौशिल्या माता मंदिर तक पदयात्रा 18 को

रायपुर (ए)। राजभाषा छत्तीसगढ़ी को शिक्षा की भाषा बनाने की मांग को लेकर सामाजिक कार्यकर्ताओं समेत विभिन्न संगठनों के कार्यकर्ता पदयात्रा के तीसरे चरण की शुरूआत रायपुर से करने जा रहे हैं।

'मोर चिन्हारी छत्तीसगढ़ी' अभियान के तहत तीसरे चरण की पदयात्रा रायपुर से शुरू होकर अगले दिन चंद्रखुरी में समाप्त होगी। पदयात्रा की शुरूआत 18 मार्च शनिवार सुबह आठ बजे कलेक्ट्रेट चौक से होगी। छत्तीसगढ़ी भाषा जागरूकता अभियान के अगुवा नंदकिशोर शुक्ल प्रमुख रूप से यात्रा में शामिल होंगे।

उल्लेखनीय है कि 'मोर चिन्हारी छत्तीसगढ़ी' अभियान के तहत पहले चरण की पदयात्रा बिलासपुर से रतनपुर होते हुए फिर बिलासपुर में समाप्त हुई थी। वहीं इसका दूसरा चरण बिलासपुर से चकरभाठा होते हुए फिर बिलासपुर पहुंची थी।

अभियान के माध्यम से इस बात के लिए जन जागरूकता फैलाने का प्रयास किया जा रहा है कि शिक्षा छत्तीसगढ़ी भाषा में दिए जाने से न केवल प्रदेश की संस्कृति की रक्षा होगी बल्कि बच्चों के बौद्धिक विकास में मातृभाषा का प्रयोग सबसे अनुकूल होगा।

28 नवंबर 2007 को छत्तीसगढ़ी को राजभाषा बनाए जाने के बावजूद कामकाज की भाषा के तौर पर छत्तीसगढ़ी को वो स्थान और महत्व नहीं मिल रहा है जो उसे मिलना चाहिए।

डॉ. महंत ने मंत्री अकबर की माताजी को दी श्रद्धांजलि

रायपुर (ए)। विधानसभा अध्यक्ष डॉ चरणदास महंत ने परिवहन मंत्री व कवर्धा विधायक मोहम्मद अकबर के मातृ शोक में उनके निवास रायपुर मौदहापारा पहुंचकर माताजी को श्रद्धांजलि अर्पित की। डॉ महंत ने कहा, मनुष्य जीवन में जननी मां के बिछड़ने का दुःख बड़ा कष्टदायी होता है। ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि, माताजी की मृत दिवंगत आत्मा को श्रीचरणों में स्थान दें, परिजनों को इस अपार दुःख सहन करने की शक्ति दे।

रविवि में प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

रायपुर (ए)। राष्ट्रीय सांख्यिकीय कार्यालय, सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वीयन मंत्रालय, भारत सरकार, रायपुर एवं पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर के सहयोग से 14 मार्च को स्थानीय स्तर पर विश्वविद्यालयीन छात्रों के लिए सांख्यिकी जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत सभागार, काला भवन, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर में प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर के कुलपति प्रो. केशरी लाल वर्मा थे तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता रोशन लाल साहू, उप महानिदेशक, राष्ट्रीय सांख्यिकीय कार्यालय, सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वखयन मंत्रालय, भारत सरकार, रायपुर ने की।

कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर के कुलपति प्रो. केशरी लाल वर्मा एवं राष्ट्रीय सांख्यिकीय कार्यालय, सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्व्यन मंत्रालय, भारत सरकार, रायपुर के उप महानिदेशक रोशन लाल साहू द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर अर्थशास्त्र अध्ययन शाखा के विभागाध्यक्ष प्रो. रविंद्र ब्रम्हे भी उपस्थित थे।

कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत करते हुए राष्ट्रीय सांख्यिकीय कार्यालय, रायपुर के सहायक निदेशक जॉर्ज मिंज ने विद्यार्थियों को सांख्यिकी के क्षेत्र में उपलब्ध कैरियर संभावनाओं के बारे में बताते हुए कहा कि सांख्यिकी के क्षेत्र उपलब्ध विभिन्न अवसरों एवं कैरियर की संभावना को ध्यान में रखते हुए छात्रों को प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करनी चाहिए।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, अर्थशास्त्र विभाग, प्रो. रविंद्र ब्रम्हे ने कहा कि सांख्यिकी संबंधी जागरूकता सबके लिए बहुत जरूरी है क्योंकि आंकड़े के बिना कोई भी कार्य सुचारू रूप से करना संभव नहीं हो पाता है। उन्होनें कहा कि प्रत्येक आदमी को भी डाटा की समझ होनी चाहिए क्योंकि डाटा पर ही पूरे देश की कार्ययोजना निर्भर करती है।

कलेक्टर डॉ. भुरे की अपीलः एक अप्रैल से बढेगा शुल्क, अनाधिकृत निर्माण को नियमित करने अधिक से अधिक लोग करें आवेदन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर भुरे ने जिले के सभी नगरीय क्षेत्रों के निवासियों से अपने घरों या दुकानों में अनाधिकृत निर्माण को नियमित कराने की अपील की है। उन्होंने कहा है कि 31 मार्च को चालू वित्तीय वर्ष समाप्त हो जाएगा और नये वित्तीय वर्ष 1 अप्रैल से नगर निगम के अनुज्ञा शुल्क में पहले की तरह ही 10 प्रतिशत की बढोत्तरी हो जायेगी। ऐसे में अनुज्ञा शुल्क बढने से नियमितीकरण के लिए निर्धारित राशि भी बढ जायेगी। कलेक्टर डॉ. भुरे ने अतिरिक्त वित्तीय भार से बचने के लिए अनाधिकृत निर्माण के नियमितीकरण के आवेदन 31 मार्च के पहले अधिक से अधिक लोगों द्वारा जमा कराने की अपील की है। 31 मार्च तक प्राप्त आवेदनों पर चालू वित्तीय वर्ष अनुसार ही शुल्क लिया जाएगा।

अनाधिकृत निर्माण के नियमितीकरण के नियमों को प्रशासन ने बहुत सरल कर दिया है। अब लोग आसानी से आवेदन देकर निर्धारित शुल्क जमाकर अपनी अनाधिकृत निर्माण को नियमित करा सकते है। अब नये नियमों के तहत ही आवेदन लिए जा रहे है। इसके लिए संबंधित नगर-निगम या नगरपालिका परिषद् के कार्यालय में आवेदन किया जा सकता है। निगम या पालिका की सीमा के बाहर निवेश क्षेत्र के अन्दर के अनाधिकृत निर्माण को नियमित कराने के लिए नगर निवेश कार्यालय में आवेदन जमा होंगें। आवेदक को आवेदन के साथ मकान के कागजात, मकान के फोटोग्राफ्स, मकान का आर्किटेक्ट द्वारा बनाए गए नक्शा और संपत्ति कर या बिजली बिल की रसीद भी संलग्न करनी होगी।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करेंः-
9303289950, 9827806026, 8962815243

डायबिटीज, कैंसर जैसी बीमारियां रहेंगी कोसों दूर हेल्दी खाना बनाने की ये 8 तकनीकें करें फॉलो

हेल्दी लाइफस्टाइल को जीने और डायबिटीज, कैंसर जैसी बीमारियों को दूर रखने के लिए स्वस्थ भोजन पकाना जरूरी है. खाना पकाने की सही तकनीकों के साथ, आप अपने स्वास्थ्य का त्याग किए बिना स्वादिष्ट, पौष्टिक भोजन का आनंद ले सकते हैं. आज हम खाना पकाने की 8 स्वस्थ तकनीकों पर बात करेंगे. जो आपको हेल्दी और सेहतमंद बनाए रखने में मदद कर सकती हैं.

■ तलने की जगह बेकिंग, रोस्ट या ग्रिल करना. इससे आप ज्यादा तेल के सेवन से बच सकते हैं और अपने भोजन का स्वाद बढ़ा सकते हैं.

■ तलने से पहले अपने खाद्य पदार्थों को पतला करें. इससे आपकी खाने की वसा कम होगी और आपका भोजन स्वस्थ होगा.

■ अपने भोजन में ताजा सब्जियों और फलों का उपयोग करें. इससे आप ज्यादा पोषण वाले भोजन का सेवन करेंगे जो आपके शरीर के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं.

■ अपने भोजन में अधिक मात्रा में पानी शामिल करें. इससे आपका भोजन स्वस्थ होता है और अधिक पानी सेवन से आपकी पेट से सम्बंधित समस्याएं भी कम होती हैं.

■ अपने खाद्य पदार्थों को अधिक समय तक पकाने से बचें. इससे आपके भोजन में उपस्थित पोषण तत्वों का नुकसान हो सकता है.

■ नमक की मात्रा कम करें और उपलब्धता के अनुसार अन्य मसालों का उपयोग करें. नमक अधिक सेवन से आपकी उच्च रक्तचाप और अन्य समस्याओं का कारण बन सकता है.

■ भोजन को अधिक स्वस्थ बनाने के लिए ग्रीन टी, हल्दी और अन्य जड़ी-बूटियों का उपयोग करें. इनमें पाए जाने वाले गुण आपके शरीर के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं.

■ अपने डाइट प्लान में अधिक फाइबर शामिल करें. फाइबर आपके पाचन तंत्र को स्वस्थ रखता है और उन्हें अच्छी तरह से काम करने में मदद करता है.

साइकिल चलाने से स्किन को भी मिलते हैं कई फायदे

मानसिक रूप से तनाव और नींद की कमी की वजह से लोगों को बेहतर नींद नहीं आ रही है। लेकिन आप अपनी दिनचर्या में एक्सरसाइज को शामिल कर अपनी आधी से ज्यादा समस्याओं को दूर कर सकते हैं। एक्सरसाइज करने में साइकिलिंग एक बेहद ही आसान एक्सरसाइज मानी जाती है। आज भी लोग साइकिल चलाना पसंद करते हैं। कई लोगों के पास बाइक और स्कूटर होने के बाद भी वह सुबह साइकिल चलाने को प्राथमिकता देते हैं। इससे आपके शरीर के सभी अंग सक्रिय होते हैं। साइकिल चलाने से आप अपने वजन को कंट्रोल करने के साथ ही अपनी स्किन को भी खूबसूरत और जवां बना सकते हैं। इस लेख में आपको साइकिल चलाने से चेहरे पर होने वाले प्रभावों के बारे में बताया गया है। आइए जानते हैं साइकिलिंग से स्किन पर होने वाले फायदे:-

त्वचा के ग्लो को बढ़ाने में सहायक

यदि आप नियमित रूप से साइकिल चलाते है तो इससे आपको बेहतर नींद आती है। गहरी और पर्याप्त नींद से त्वचा का निखार तेजी से बढ़ता है। अच्छी नींद आने से आपकी त्वचा के सेल्स दोबारा बनते हैं। साथ ही इससे त्वचा की समस्याएं दूर होती है और धीरे-धीरे त्वचा में ग्लो आने लगता है।

स्किन को करें डिटॉक्स

सुबह के समय साइकिल तेजी से चलाने से शरीर में गर्मी आती है, जिससे पसीना आने लगता है। शरीर में पसीना आने से आपकी बॉडी और स्किन के विषैले तत्व बाहर निकलते हैं। पसीना आने से आपकी त्वचा की गहराई से सफाई होती है। साथ ही त्वचा टाइट होती है।

स्किन पोर्स को खोलने में सहायक

साइकिल चलाते समय जब आपको पसीना आता है तो इससे आपकी स्किन के पोर्स में जमा गंदगी बाहर निकाल जाती है। इससे आपकी त्वचा दोबारा से सांस लेने लगती है। त्वचा के पोर्स खुलने से चेहरे पर पिंपल्स और मुंहासे होने की समस्या दूर होने लगती है।

तनाव को कम करने में मददगार

साइकिलिंग से आपके शरीर और मस्तिष्क का तालमेल बेहतर होता है। इसके साथ ही त्वचा और जवां होती है। सुबह के समय साइकिल चलाने से आपके शरीर में ऑक्सीजन का लेवल बढ़ता है, जिससे आपको तनाव कम करने में मदद मिलती है। स्ट्रेस कम होने से आप अपनी पर्सनेलिटी को बेहतर करने पर ध्यान देते हैं।

विटामिन डी से हड्डियां होती हैं मजबूत

सुबह के समय साइकिल चलाने से आपको सूर्य से विटामिन डी मिलता है। विटामिन डी से आपकी हड्डियां मजबूत होती है। इससे आपको बढ़ती उम्र में हड्डियों की समस्या कम होती है। विटामिन डी की कमी की वजह से त्वचा में सोरासिस और एटोपिक डर्मेटाइटिस की समस्या होने का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में जब आप साइकिलिंग करते हैं तो आप त्वचा संबंधी इन दोनों रोगों से सुरक्षित रहते हैं।

अपनी वैल्यू करना सिखाता हैं पॉप कौन में नूपुर सेनन का किरदार

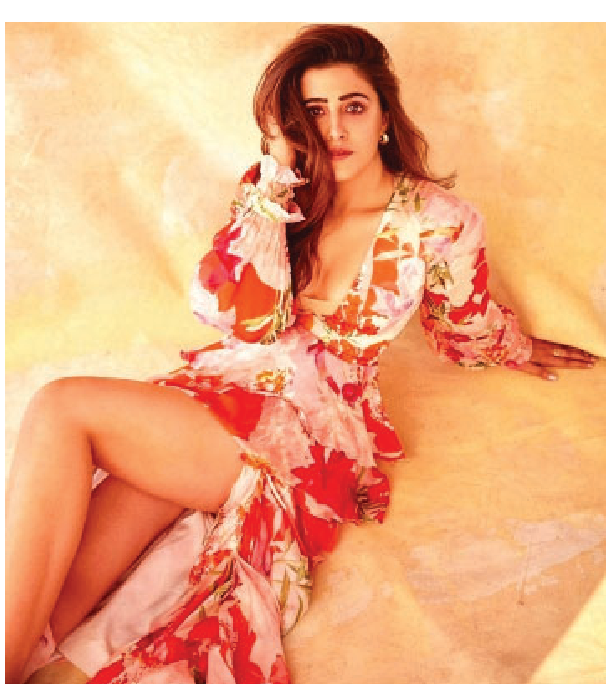

एक्ट्रेस कृति सेनन की बहन सिगर-एक्ट्रेस नूपुर सेनन पॉप कौन के साथ ओटीटी पर डेब्यू करने वाली हैं। उन्होंने कहा कि कॉमेडी शो में उसका करेक्टर एक फेमिनिस्ट है, और यह उनके अपने वैल्यू सिस्टम को दर्शाता है। अपने किरदार को निखारने में हर संभव प्रयास करते हुए सेनन ने कहा कि पीहू का किरदार ही असली प्रेरक शक्ति है।

शो का नाम हटकर है और इसका आधार फिल्म में कुणाल के किरदार के पिता को ढूंढना है। मेरा किरदार पीहू है। मैं कुणाल की प्रेमिका की भूमिका निभा रही हूं। उनके रिश्ते को खूबसूरती से उकेरा गया है।

उन्होंने कहा, शादी के मुकाम तक पहुंचने के लिए वे सभी बाधाओं से गुजरते हैं। जब मैंने स्क्रिप्ट सुनी, मुझे यह किरदार बहुत पसंद आया। वह उनमें से हूं, जो हर चीज में लॉजिक ढूंढती हैं। वह एक फेमिनिस्ट हैं जो एक ऐसा पहलू है जो मेरी अपनी वैल्यू सिस्टम को दर्शाता है। वह बहुत सारे सवाल पूछती है और अपनी राय रखने से कभी पीछे नहीं हटती है। लेकिन उस करेक्टर में एक ऐसा पहलू था जिस पर उन्हें वास्तव में काम करना है।

उन्होंने कहा- पीहू का किरदार निभाते वक्त मुझे फिल्म की उन बारीकियों को समझने के लिए काम करना पड़ा। सेट पर होना बहुत खुशी की बात थी, रचनाकारों के साथ काम करना, विशेष रूप से मेरे निर्देशक फरहाद सामजी के साथ काम करना, जिन्होंने मुझे पूरी तरह से निर्देशित किया, यह सुनिश्चित करते हुए कि मैं अपने किरदार की लय को जानती हूं।

रेड बिकिनी में नेहा मलिक ने शेयर किए फोटोज, इंटरनेट पर मचा तहलका

भोजपुरी एक्ट्रेस नेहा मलिक हमेशा अपने बोल्डनेस के कारण सोशल मीडिया पर सुर्खियां बटौरती रहती हैं। एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर करती हैं तो वो फैंस के बीच वायरल होने लगती हैं। हाल ही में नेहा मलिक ने अपने बोल्ड लुक्स से इंटरनेट पर तहलका मचा दिया है। नेहा मलिक हमेशा अपनी हॉटनेस का जादू सोशल मीडिया पर बिखेरती रहती हैं। एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर करती हैं तो वो चंद ही मिनटों में वायरल होने लगती हैं। बता दें कि एक्ट्रेस नेहा मलिक का नाम भोजपुरी इंडस्ट्री की हाई पेड एक्ट्रेस की लिस्ट में शामिल है। हालिया फोटोशूट के दौरान एक्ट्रेस ने बालकनी में रेड कलर की बिकिनी पहने हुए हॉटनेस का जलवा बिखेरा है। एक्ट्रेस की इन तस्वीरों को देख कर फैंस उनके हुस्न के कायल हो गए हैं। जिन्हें देखकर लोगों के दिलों की धड़कने बढ़ गई हैं। नेहा मलिक जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर करती हैं तो फैंस उनकी तस्वीरों पर लाइक्स और कॉमेंट्स के जरिए अपना प्यार लूटाते हैं। बता दें कि एक्ट्रेस के हुस्न के चर्चे हमेशा ही लाइमलाइट में रहते हैं। हालांकि इसी कारण फैंस को उनकी हर एक पोस्ट का इंतजार भी रहता है। लेटेस्ट तस्वीरों में भी नेहा मलिक का ग्लैमरस अंदाज देख कर हर कोई फिदा होते जा रहा है।

'फतेह' में सोनू सूद के साथ नजर आएंगी जैकलीन फर्नांडिस, शुरू हुई फिल्म की शूटिंग

बॉलीवुड एक्टर सोनू सूद की एक्शन ड्रामा फिल्म फतेह की शूटिंग शुरू हो गई है। साइबर क्राइम पर आधारित इस फिल्म में सोनू सूद के साथ जैकलीन फर्नांडिस नजर आने वाली हैं। इस फिल्म की शूटिंग पंजाब के अमृतसर में शुरू हुई है। सोनू सूद ने अपने सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें शेयर करते हुए इसकी जानकारी दी है। तस्वीरों में सोनू सूद जैकलीन फर्नांडिस के साथ नजर आ रहे हैं। जैकलीन के हाथों में क्लैप बोर्ड दिख रहा है, जिसपर फिल्म का नाम लिखा हुआ है। तस्वीरों के साथ सोनू ने कैप्शन में लिखा, मेरे अगले मिशन पर, फतेह। शूटिंग आज से शुरू। इस फिल्म के बारे में बात करते हुए सोनू सूद ने कहा, ये फिल्म वास्तविक जीवन की घटनाओं से प्रेरित है, जिसे मैंने लॉकडाउन के दौरान भी लोगों के साथ होते देखा है। जैकलीन फर्नांडिस ने कहा, स्क्रिप्ट को पहली बार पढ़ने के बाद से, मैंने फैसला किया था कि मैं इसका हिस्सा बनना चाहती हूं।

अब जब हम फतेह की शूटिंग शुरू कर रहे हैं, तो मैं उत्साहित हूं। हमारे लिए एक ऐसी कहानी सामने लाने के लिए जिसे लोग वास्तव में पसंद करेंगे। इस फिल्म का निर्देशन वैभव मिश्रा कर रहे हैं। फिल्म में सोनू सूद और जैकलीन फर्नांडिस के अलावा शिवज्योति राजपूत और विजय राज भी अहम किरदार में हैं। यह फिल्म साल 2023 के अंत में रिलीज हो सकती है।

कंगना रनौत ने पूरी की चंद्रमुखी 2 की शूटिंग

एक्ट्रेस कंगना रनौत ने चंद्रमुखी 2 की शूटिंग पूरी कर ली और को-स्टार राघव लॉरेंस के लिए एक नोट लिखा। कंगना ने इंस्टाग्राम पर लॉरेंस के साथ एक तस्वीर साझा की और लिखा: मैं आज चंद्रमुखी की शूटिंग पूरी कर ली है, मुझे कई अद्भुत लोगों को अलविदा कहना बहुत मुश्किल लगता है, जिनसे मैं मिली थी, मेरे पास इतना प्यार क्रू था। मेरे पास राघव लॉरेंस सर के साथ कोई तस्वीर नहीं थी क्योंकि हम हमेशा फिल्मी वेशभूषा में होते हैं इसलिए आज सुबह शूटिंग शुरू होने से पहले मैंने एक फोटो के लिए अनुरोध किया। मैं सर से बहुत प्रेरित हूं। उन्होंने एक कोरियोग्राफर के रूप में अपना करियर शुरू किया था, वास्तव में एक बैक डांसर के रूप में, लेकिन आज वह न केवल एक ब्लॉकबस्टर फिल्म सुपरस्टार हैं बल्कि एक अविश्वसनीय रूप से अद्भुत इंसान भी हैं। जा रहा है। आपकी हास्य अद्भुत भावना और मेरे जन्मदिन के लिए सभी उपहारों के लिए धन्यवाद, सर। आपके साथ काम करके बहुत अच्छा समय बीता। 2005 में रिलीज हुई फिल्म की प्रीक्वेल में सुपरस्टार रजनीकांत और ज्योतिका सरवनन ने अभिनय किया था।

चंद्रमुखी मलयालम फिल्म मणिचित्राथझु की रीमेक थी और इसे हिंदी में अक्षय कुमार-स्टारर भूल भुलैया के रूप में रूपांतरित किया गया था।

रेखा ने की मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे में रानी के प्रदर्शन की तारीफ

रेखा मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे में अभिनेत्री रानी मुखर्जी के दमदार प्रदर्शन से चकित हैं। दिग्गज स्टार ने कहा कि रानी ने शाश्वत मां की भूमिका में बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है और दुर्गा मां के सभी चेहरों को चित्रित किया है। उन्होंने कहा: मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे, उत्साहजनक और दिल दहलाने वाला दोनों था, मैं शुरूआत से ही अपनी सीट के किनारे पर बैठी थी। बंगाल टाइग्रेस के प्रदर्शन को देखना परम आनंद था, एक मां अपने बच्चों के लिए जी जान से लड़ती है। यह फिल्म दुनिया को देखने के लिए है कि मदर इंडिया क्या है!

रेखा ने आगे कहा, इस बार रानी दुर्गा मां परम मां के सभी चेहरों को चित्रित करने वाली शाश्वत मां की भूमिका में थी, जो अनगिनत बार देखने लायक एक गहन प्रदर्शन है! वह आग से गुजरती है, सीधे हमारे दिल में! अभिनेता और चरित्र को एक दूसरे में घुलते हुए देखना कितना सुखद है!

मैं पूरी कास्ट और क्रू को भी बधाई देना चाहता हूं, विशेष रूप से निर्देशक को! जिम सार्भ का उनके दोषरहित और सीमित प्रदर्शन के लिए विशेष उल्लेख! इस बहादुर फिल्म को देखने के लिए बेहद आभारी और गौरवान्वित हूं, जो इस तथ्य को पुष्ट करती है कि मां की शक्ति से अधिक शक्तिशाली कुछ भी नहीं है!

आशिमा चिब्बर द्वारा निर्देशित, मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे एक अप्रवासी मां के जीवन के बारे में है जो अपने बच्चों की कस्टडी वापस पाने के लिए सभी बाधाओं से लड़ती है। जी स्टूडियोज और एम्मे एंटरटेनमेंट (मोनिशा आडवाणी, मधु भोजवानी और निखिल आडवाणी) द्वारा निर्मित, मिसेज चटर्जी वर्सेस नॉर्वे 17 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Paul Sir
BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है

मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

खास खबर

अप्रेंटिसशिप मेला का आयोजन 20 को

महासमुंद। शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था, लभरा खुर्द बीज निगम के पास महासमुंद में 20 मार्च को सुबह 9:00 बजे से अप्रेंटिसशिप मेला का आयोजन किया जा रहा है। मेला का उद्देश्य स्थानीय रोजगार को प्रोत्साहित करना है। योजनांतर्गत आयोजित किए जाने वाले अप्रेन्टिसशीप मेला में पोर्टल पर अधिक से अधिक उद्योग, प्रतिष्ठानों का पंजीयन किया जा सकता है। ताकि आई.टी.आई. उत्तीर्ण प्रशिक्षणार्थी को रोजगार का अवसर मिल सके। मेले में जिले के समस्त उद्योग, प्रतिष्ठान अप्रेंटिसशिप/प्लेसमेंट रखने के लिए शामिल हो सकते है। साथ ही आई.टी.आई. उत्तीर्ण युवा भी भाग ले सकते है। अप्रेंटिसशिप प्रशिक्षण के लिए इच्छुक उम्मीदवार समस्त दस्तावेज सहित 20 मार्च को संस्था में उपस्थित हो सकते है। अप्रेंटिसशिप मेला के दौरान प्रशिक्षणार्थी तथा उद्योग/प्रतिष्ठान का पोर्टल में स्पाट पंजीयन की सुविधा आई.टी.आई. कैम्पस में रहेगी।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के लिए 25 तक आवेदन आमंत्रित

मोहला। मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना अंतर्गत इच्छुक एवं पात्रता रखने वाले कन्याएं 25 मार्च 2023 तक संबंधित आंगनबाड़ी केन्द्र या परियोजना कार्यालय में निर्धारित प्रारूप में आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा योजनांतर्गत 31 मार्च 2023 को मिनी स्टेडियम मानपुर में सामूहिक विवाह का आयोजन किया जाएगा। मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजनांतर्गत विवाह के लिए कन्या गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करती हो अथवा मुख्यमंत्री खाद्यान्न योजना अंतर्गत राशन कार्डधारी परिवार की होनी चाहिए। एक परिवार की अधिकतम दो कन्या को योजना से लाभान्वित किया जाएगा। कन्या की आयु 18 वर्ष से अधिक तथा वर की आयु 21 वर्ष से अधिक होनी चाहिए। कन्या का विवाह इसके पूर्व नहीं हुआ होना चाहिए। विधवा, अनाथ, निराश्रित कन्याएं भी इस योजना का लाभ ले सकती हैं। कन्या एवं उनके परिवार को छत्तीसगढ़ राज्य का निवासी होना आवश्यक है।

भिलाई और एल्मिको के सहयोग से दिव्यांगजनों को आवश्यक उपकरणों का किया जाएगा वितरण

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के रावघाट लौह अयस्क खदान क्षेत्र के विकासखण्ड अंतागढ़ एवं भानुप्रतापपुर में विगत दिनों आयोजित नि:शुल्क परीक्षण शिविर में चयनित दिव्यांगजनों को आवष्यक उपकरणों का वितरण किया जाएगा। 22 मार्च 2023 को ग्राम पंचायत भानबेड़ा, जनपद पंचायत भानुप्रतापपुर में सहायक उपकरणों का वितरण किया जाएगा। 23 मार्च 2023 को जनपद पंचायत अंतागढ़ में सहायक उपकरणों का वितरण किया जाएगा। भिलाई इस्पात संयंत्र के निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व विभाग द्वारा भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के अंतर्गत भारत सरकार का एक मिनीरत्न सार्वजनिक उपक्रम 'भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम' (एलिम्को) भारत सरकार औद्योगिक क्षेत्र, रिछाई जबलपुर के सहयोग से जिले के दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठजनों को नि:शुल्क कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण प्रदान करने हेतु विगत माह मूल्यांकन शिविर का आयोजन किया गया था। उल्लेखनीय है कि शिविर में चयनित दिव्यांगजनों को एलिम्को के सहयोग से भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा ट्राईसायकिल, व्हीलचेयर, बैसाखी, कान की मशीन, टेट्रोपोड, सर्वाइकल कालर, नी बेस आदि उपकरणों का नि:शुल्क वितरण नारायणपुर में किया जा चुका है।

बेंगलुरू में एग्री यूनिफेस्ट का केंद्रीय कृषि मंत्री तोमर ने किया शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

बेंगलुरू (पीआईबी)। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा है कि भारत एक विशाल लोकतंत्र है, जिसकी विशेषताओं में एक तो जनसंख्या और दूसरी हमारे युवाओं की 60 प्रतिशत आबादी है। ये दोनों ताकत मिलकर इतनी बड़ी है कि भारत किसी भी चुनौती का केवल मुकाबला ही नहीं कर सकता, बल्कि हम एक-दूसरे के पूरक बनकर चले तो इन चुनौतियों पर विजयी प्राप्त करने में भी पूरी तरह सक्षम है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमृत महोत्सव से आगामी 25 वर्षों के समय को अमृत काल नाम दिया है, इसका ठीक से सदुपयोग हो और हमारे देश की युवा आबादी की ऊर्जा का भी सदुपयोग हो तो वर्ष 2047 तक हम अपने देश को विकसित भारत के रूप में अवश्य देख सकेंगे।

केंद्रीय मंत्री तोमर ने यह बात बेंगलुरू कृषि विश्वविद्यालय द्वारा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के सहयोग से आयोजित 5 दिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रम एग्री यूनिफेस्ट में कही। इसमें 60 राज्य कृषि विश्वविद्यालयों/डीम्ड विश्वविद्यालयों/ केंद्रीय विश्वविद्यालयों के 2500 से अधिक प्रतिभाशाली विद्यार्थी शामिल हुए हैं, जो 5 विषयों (संगीत, नृत्य, साहित्य, रंगमंच, ललित कला) के तहत 18 आयोजनों में अपने कौशल का प्रदर्शन कर रहे हैं। आईसीएआर द्वारा 1999-2000 के दौरान अखिल भारतीय अंतर कृषि विश्वविद्यालय युवा महोत्सव की संकल्पना व शुरूआत की गई थी, जिसका उद्देश्य विभिन्न भारतीय संस्कृतियों को जोड़कर भारतीय कृषि को एकीकृत करना है, ताकि कृषि विश्वविद्यालयों के युवाओं की प्रतिभा निखर सकें और वे भारतीय सांस्कृतिक विविधता की सुंदरता को चित्रित करें।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्री तोमर ने कहा कि समय की मांग है कि हम अपने जीवन के हरेक पल का पूरी तरह सदुपयोग करें। विद्यार्थियों के लिए अध्ययन एक पक्ष है लेकिन जब व्यक्ति का समग्र रूप से विकास होता है तो वह अपने परिवार, समाज, संस्था, राज्य और देश के विकास में ज्यादा योगदान दे सकता है। प्रधानमंत्री श्री मोदी हमेशा इस बात पर बल देते रहते हैं कि हमारे देश के प्रत्येक नागरिक की सोच व दृष्टि समग्र होना चाहिए और सबको मिलकर अपने देश को विकास के पथ पर आगे बढ़ाना चाहिए। श्री तोमर ने कहा कि आज जिस कालखंड में हम हैं, उसमें टेक्नालाजी का बड़ा महत्व है। टेक्नालाजी का उपयोग कृषि में भी हो, यह भी समय की जरूरत है। सभी क्षेत्रों में पारदर्शिता लाने एवं बरसों से नहीं हो रहे काम कुछ दिनों में ही हो सकें, इसके लिए टेक्नालाजी की आवश्यकता बहुत अधिक है। प्रधानमंत्री श्री मोदी का इस बात पर जोर है कि हमारे हर कार्यक्रम में तकनीक का समर्थन और बिचौलियों की समाप्ति होना चाहिए। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि इसका प्रत्यक्ष उदाहरण है, जिसमें अभी तक करोड़ों किसानों को सीधे उनके बैंक खातों में बिना बिचौलियों के, 2.40 लाख करोड़ रुपये प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) द्वारा दिए गए हैं, जो निश्चित ही आश्चर्यजनक है। प्रधानमंत्री श्री मोदी की पहल पर कैशलेस ट्रांजेक्शन के मामले में भारत आज बड़े विकसित देशों से भी बहुत आगे है और यह चमत्कार पिछले सात-आठ वर्षों में हुआ है।

श्री तोमर ने कहा कि भारत में विभिन्न भाषाएं हैं, विभिन्न रीतियां एवं परंपराएं हैं, फिर भी अटक से कटक तक और कश्मीर से कन्याकुमारी तक भारतीय संस्कृति व संस्कृति की आत्मा एक ही है। उन्होंने कहा कि अलग-अलग जगह एग्री यूनिफेस्ट जैसे आयोजनों के माध्यम से विविध क्षेत्रों में छुपी हुई प्रतिभाएं उभरती है तो देश की सांस्कृतिक एकता का परिचय होता है। एकता, एकात्मता में बदलती है और जब एकात्मता बलवती होती है तो भारत की ताकत बढ़ती है और यही ताकत बढ़ते रहने की आवश्यकता है, तभी एक भारत-श्रेष्ठ भारत की कल्पना को साकार करने में हम सफल होंगे। श्री तोमर ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने युवा प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए, खेलो इंडिया, कार्यक्रम प्रारंभ किया है।

मावली माता मंदिर में लोगों के समृद्धि व खुशहाली के लिए कवासी लखमा ने की प्रार्थना

श्रीकंचनपथ न्यूज

सुकमा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री कवासी लखमा आज एक दिवसीय प्रवास कार्यक्रम के तहत छिंदगढ़ का दौरा किया। इस दौरान छिंदगढ़ में होने वाले मावली माता मेला में शामिल हुए। जहां उन्होंने मुसरईया माता और मावली माता मंदिर में पूजा अर्चना कर लोगों की समृद्धि व खुशहाली के लिए प्रार्थना की।

इस अवसर पर मंत्री श्री कवासी ने मेला में नृत्य कर रहे समूह में शामिल होकर ढोल बजाकर पारंपरिक नृत्य किया। इसके पश्चात उन्होंने ग्रामीणों और मेला में आये हुए लोगों से मिलकर चर्चा की। इस दौरान उन्होंने छिंदगढ़ में बन रहे नये देवगुड़ी का निरीक्षण किया।

मावली मेला जो 12 वर्ष में एक बार होता है। मेला आसपास के क्षेत्र में काफी प्रसिद्ध हैं। इसकी प्रसिद्धि की अंजादा इस बात से लगाया जा सकता है कि मेले में शामिल होने फ्रांस से दंपत्ति शामिल हुए।

इस दौरान विदेशी पर्यटको का मंत्री कवासी ने मेले में शामिल होने के लिए आभार व्यक्त किया। विदेशी पर्यटक ने बताया कि हम तीरथढ़ आये हुए थे पर हमें जैसे ही मेले के बारे में पता चला हम यह घुमने आ गये। यहां आने के बाद बहुत ही शांति और सुकून महसूस कर रहे है। साथ ही हम एक अलग ही संस्कृति को देखने का हमें मौका मिला जो कि अदभूत है।

इस अवसर पर राजमन बेंजाम, चित्रकोट विधायक, हरीश कवासी अध्यक्ष जिला पंचायत सुकमा और अन्य जनप्रतिनिधि सहित अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री स्लम स्वास्थ्य योजना :

मोबाईल मेडिकल यूनिट के माध्यम से वृद्धाश्रम के बुजुर्गों को भी मिल रही है स्वास्थ्य सुविधा

श्रीकंचनपथ न्यूज

बालोद। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के मंशानुरूम जिले के नगरीय क्षेत्रों में लोगों को उनके घर के समीप मुख्यमंत्री स्लम स्वास्थ्य योजना अंतर्गत मोबाईल मेडिकल यूनिट के माध्यम से लोगों को स्वास्थ्य सुविधा मिल रही है। आम लोगों को अपने घर के समीप ही नि:शुल्क स्वास्थ्य जॉच, उपचार व दवाई मिलने से उन्हें अब अस्पताल जाना नहीं पड़ रहा है। लोगों के समय व पैसे दोनों की बचत हो रही है।

जिला मुख्यालय बालोद के शिकारीपारा में स्थित वृद्धाश्रम में आज मुख्यमंत्री स्लम स्वास्थ्य योजना अंतर्गत संचालित मोबाईल मेडिकल यूनिट की स्वास्थ्य टीम द्वारा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन कर बुजुर्गों के स्वास्थ्य की जॉच व उपचार कर उन्हें नि:शुल्क दवाईयों का वितरण किया गया। वृद्धाश्रम में निवासरत बुजुर्गों ने शासन की इस योजना की सराहना करते हुए कहा कि यह बहुत अच्छी योजना है, उन्हें हर महीने नि:शुल्क स्वास्थ्य जॉच व दवाईयां मिल रही है, जिसका वे नियमित सेवन करते हैं। उन्होंने बताया कि किसी प्रकार की शारीरिक समस्या का निदान इन दवाईयों के उपयोग से आसानी से हो जाता है। अब उन्हें बार-बार अस्पताल जाना नहीं पड़ता है। उनके लिए यह अस्पताल वाली गाड़ी काफी मददगार साबित हो रही है।

नरवा विकासः खारी नाला से अब होने लगी सिंचाई तथा निस्तारी

अर्दन डेम भौता में 100 एकड़ रकबा में सिंचाई की सुविधा निर्मित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्य सरकार द्वारा संचालित सुराजी गांव योजना के तहत नरवा विकास कार्यक्रम अंतर्गत मनेन्द्रगढ़ वनमंडल के खारी नाला में लगभग 01 करोड़ रूपए की लागत राशि से अर्दन डेम का निर्माण किया गया है। इसके निर्माण से वन क्षेत्रों में जल के स्तर में वृद्धि के साथ-साथ 100 एकड़ रकबा में सिंचाई की सुविधा निर्मित हुई है। साथ ही वनांचल के लोगों के लिए अब पेयजल, सिंचाई तथा निस्तारी के लिए अच्छी सुविधा उपलब्ध हो गई है।

गौरतलब है कि वनमंडल मनेन्द्रगढ़ अंतर्गत ग्राम पंचायत भौता के खारी नाला में 210 मीटर चौड़ाई एवं 10 मीटर ऊंचाई के अर्दन डेम निर्मित की गई है, जिसकी कुल लागत 01 करोड़ रूपए है। इसका कैचमेंट एरिया 55.00 हेक्टेयर है। उक्त अर्दन डेम के निर्माण से निकटतम ग्रामों के लगभग 40 परिवार प्रत्यक्ष रूप से लाभान्वित होने लगे हैं। जिसमें से 5 सीमांत एवं 35 लघु किसानों के कुल 100 एकड़ रकबा सिंचित होगा एवं जल संरक्षण संरचनाओं के निर्माण से ग्रामों के आसपास क्षेत्रों एवं वन क्षेत्रों में जल के स्तर में वृद्धि होगी। इसके फलस्वरूप वनों के पुनरूत्पादन एवं घनत्व में सघन वृद्धि के साथ-साथ वन्यप्राणियों के लिए पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित हुई है। अन्य परिवारों द्वारा निस्तार के साथ-साथ मछली पालन से संबंधित आजीविका कार्य किया जा सकेगा। निर्मित अर्दन डेम से लगा गौठान बना हुआ है जो पशुधन हेतु लाभप्रद होगा।

गौरतलब है कि वनमंत्री श्री मोहम्मद अकबर के कुशल मार्गदर्शन में वनांचल स्थित नालों में कैम्पा मद के तहत भू-जल संवर्धन संबंधी संरचनाओं का निर्माण तेजी से जारी है। इस तारतम्य में प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वनबल प्रमुख श्री संजय शुक्ला ने बताया कि मनेन्द्रगढ़ वनमंडल स्थित 15 किमी लम्बाई के खारी नाला में कैम्पा मद से वर्तमान में 435 भू-जल संवर्धन संबंधी संरचनाओं का निर्माण प्रगति पर है।

इनमें से अब तक 385 भू-जल संवर्धन संबंधी संरचनाओं का निर्माण पूर्ण हो चुका है। इनके निर्माण के लिए कैम्पा की वार्षिक कार्ययोजना 2021-22 के तहत 4 करोड़ 10 लाख रूपए की राशि स्वीकृत है।

कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा प्रक्षेत्र दिवस का किया गया आयोजन

मृदा परीक्षण आधारित संतुलित उर्वरक उपयोग पर चना का समूह फसल का किया गया प्रदर्शन

श्रीकंचनपथ न्यूज

कवर्धा। कृषि विज्ञान केन्द्र, कवर्धा द्वारा विकासखण्ड सहसपुर लोहारा अंतर्गत ग्राम सलिहा में राष्ट्रीय दलहन मिशन अन्तर्गत एवं अखिल भारतीय समन्वित मृदा परीक्षण फसल अनुक्रिया सहसंबंध परियोजना के आदिवासी उपयोजना के तहत मृदा परीक्षण आधारित संतुलित उर्वरक उपयोग पर चना का समूह फसल प्रदर्शन कार्यक्रम किया गया।

जिसके तहत ग्राम सलिहा में फसल चना किस्म आरवीजी 202 का प्रदर्शन दिया गया है। जिसका उद्देश्य जिले में दलहन फसल के रकबे एवं पैदावार को बढ़ावा देना है। प्रक्षेत्र दिवस में चना उत्पादन तकनीकी जैसे उन्नत किस्म के बीज एवं सम्पूर्ण फसल सुरक्षा की जानकारी किसानो को दी गई। साथ ही कबीरधाम जिलें के प्रमुख फसलें धान, सोयाबीन, गन्ना एवं चना उत्पादन तकनीकी के बारे में किसानों को अवगत कराया गया। प्रक्षेत्र दिवस के अवसर पर डॉ. राकेश वनवासी, वैज्ञानिक, मृदा विज्ञान विभाग, इं.गां.कृ.वि.रायपुर द्वारा अखिल भारतीय समन्वित मृदा परीक्षण फसल अनुक्रिया सहसंबंध परियोजना के आदिवासी उपयोजना से संबंधित जानकारी विस्तार पूर्वक कृषकों को दी गई एवं बताया गया उर्वरक का सही उपयोग करके किस प्रकार से किसान अपनी चने का उत्पादन बढ़ा सकते है।

कृषि वैज्ञानिक डॉ. गौरव जाटव द्वारा मृदा परीक्षण संबंधित जानकारी कृषको को दी गई। कृषि विज्ञान केन्द्र, कवर्धा के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. बी.पी. त्रिपाठी ने चना में लगने वाले प्रमुख रोग एवं कीट का समन्वित प्रबंधन पर विस्तार पूर्वक जानकारी दी एवं दलहन एवं तिलहन फसल को बढ़ावा देने के लिए अच्छे बीज एवं उन्नत तकनीकी किसानो का बताई।

जिलों के समस्त स्वास्थ्य संस्थाओं में मनाया जायेगा एनसीडी पखवाड़ा

श्रीकंचनपथ न्यूज

सूरजपुर। कलेक्टर इफ्फत आरा के निर्देशन एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आर. एस. सिंह एवं डॉ. दीपक जायसवाल जिला नोडल अधिकारी एन.सी.डी. के मार्गदर्शन में एन.पी.सी.डी.सी.एस. कार्यक्रम अंतर्गत 17 मार्च 2023 से 31 मार्च 2023 तक एन.सी.डी. पखवाड़ा जिले के समस्त स्वास्थ्य संस्था, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं हेल्थ एण्ड वेलनेस सेन्टरों में मनाया जाएगा। इसके तहत जिलों के जनसंख्या में से 30 वर्ष से अधिक उम्र के व्यक्तियों की गैर संचारी रोग की स्क्रीनिंग एवं री स्क्रीनिंग एवं गर्भाशय मुख कैंसर के लक्षण युक्त मरीजों का भी वीआईए जांच करते हुए समस्त हेल्थ एण्ड वेलनेस सेन्टर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं जिला चिकित्सालय में ई-संजीवनी कन्सलटेशन किया जाना है, तथा धनात्मक मरीजों का एनसीडी पोर्टल में एन्ट्री किया जाना है। डॉ. दीपक जायसवाल ने बताया कि जिले के समस्त सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र तथा जिला चिकित्सालय में गर्भाशय मुख के कैंसर के स्क्रीनिंग हेतु प्रशिक्षित डॉक्टर एवं स्टाफ नर्सो के द्वारा गर्भाशय, मुख के कैंसर मरीजों का वीआईए टेस्ट भी नि:शुल्क प्रदाय की जा रही है तथा भविष्य में इसी सुविधा को विस्तार करते हुए सभी हेल्थ एण्ड वेलनेस सेन्टर के माध्यम से वीआईए टेस्ट भी नि:शुल्क प्रदान की जायेगी। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आर. एस. सिंह ने आम नागरीकों से अपील किया है।

CAF के जवान ने पत्नी की हत्या कर शव को नदी में छिपाया, खुद दर्ज कराई गुमशुदगी की रिपोर्ट

श्रीकंचनपथ न्यूज

अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल 18वीं बटालियन के जवान ने अपनी पत्नी की हत्या कर शव का नदी में छिपा दिया। पूरे प्लान के साथ जवान ने हत्या की और शव का नदी में ऐसे छिपाया कि वह बह न सके। इसके बाद जवान ने खुद थाने पहुंचकर अपनी पत्नी की गुमशुदगी रिपोर्ट दर्ज कराई, जबकि ससुराल वालों बेटी के गायब होने के पीछे जवान का हाथ होने की आशंका जताई। पुलिस ने जांच के बाद जवान को हिरासत में लिया और कड़ाई से पूछताछ की तो जवान ने पूरी सच्चाई बता दी। पुलिस ने आरोपी जवान को अपनी पत्नी की हत्या के जुर्म में गिरफ्तार कर लिया है।

घटना सरगुजा जिले के मैनपाट थाना क्षेत्र की है। छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल का जवान मनीष तिर्की (31) ने पत्नी दिव्या गुलाब कुजुर (25) की गला दबाकर हत्या कर दी। गिरफ्तारी के बाद आरोपी जवान ने हत्या का जो कारण बताया वह चौंकाने वाला निकला। मनीष तिर्की ने बताया कि उसकी शादी जबरन कराई गई और वह इस शादी से खुश नहीं था। इसलिए उसे रास्ते से हटाने का प्लान बनाया। प्लान के मुताबिक जवान ने 2 मार्च को पत्नी दिव्या गुलाब को अंबिकापुर से मोटरसाइकिल से साथ लेकर अपने गांव सुपलगा गया था।

यहां से निकल कर घर से लगे मछली नदी के दूसरी ओर गेहूं की फसल पर सिंचाई करने का बहाना बनाया और पत्नी को भी साथ चलने को कहा। वह अपनी पत्नी को पीठ पर बैठाकर नदी पार करा रहा था इस दौरान बीच नदी में उसने पत्नी की गला दबाकर हत्या कर दी। हत्या के बाद शव को पत्थरों के खोह में ऐसी जगह पर छिपाया, जहां किसी की नजर न पड़े। यही नहीं शव को बिजली के तार से बांधकर पत्थरों के बीच फंसा दिया ताकि शव बह न सके। आरोपी के बयान के बाद पुलिस 14 मार्च की रात को मछली नदी के पास पहुंची। इसके दूसरे दिन बुधवार को सर्चिंग शुरू की गई। आरोपी के बताए जगह पर दिव्या गुलाब का शव बरामद किया गया। इसके बाद आरोपी जवान मनीष तिर्की को गिरफ्तार कर लिया गया।

प्रेम प्रसंग के बाद भी नहीं करना चाहता था शादी

आरोपी सीएएफ का जवान मनीष तिर्की वर्तमान में सुकमा में तैनात था और एक माह की छुट्टी पर वह अपने गांव वापस लौटा था। पुलिस पूछताछ में पता चला कि मृतिका दिव्या गुलाब कुजुर की बहन का विवाह जवान के बड़े भाई से हुआ है। इस वजह से मृतका का उनके घर पर आना जाना लगा था। इस दौरान मनीष तिर्की व दिव्या के बीच प्रेम संबंध बन गया। पिछले तीन वर्षों से इनके बीच प्रेम प्रसंग था इसके बाद भी जवान दिव्या गुलाब कुजुर से शादी नहीं करना चाहता था। उसने कहीं और शादी करने का मन बना लिया था। लेकिन दिव्या कुजूर शादी के लिए दबाव बना रही थी और इसी दबाव में आकर उसने शादी की। शादी के बाद वह अपनी पत्नी को रास्ते से हटाने की योजना बनाने लगा था।

खास-खबर

हत्या के मामले में दो भाइयों को आजीवन कारावास

जशपुर (ए)। हत्या के आरोपी दो भाइयों को जज ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। 26 जनवरी व 27 जनवरी 2021 के दरमियानी रात विकास भगत व अनुज भगत ने मिलकर अपने चचेरे भाई बालेश्वर राम भगत की हत्या की थी। उन्होंने इस वारदात को ग्राम चीरवारी चिंगरा नाला पुलिया के पास अंजाम दिया और उसकी बाइक व शव को पुलिया के नीचे फेंककर साक्ष्य छुपाने की कोशिश की। अनुज और विनोद दोनों सगे भाई हैं। बालेश्वर के पिता रामचंद्र व मृतक बालेश्वर के पिता देवाराम सगे भाई थे। हत्या के मामले में विकास राम ने हत्यारों का साथ दिया था।

अपर सत्र न्यायाधीश केपी सिंह भदौरिया जशपुर ने फैसला सुनाते हुए विनोद भगत अनुज भगत व विकास राम को धारा 302 बटे 34 के अंतर्गत आजीवन कारावास व 8 हजार अर्थदंड धारा 201 के अंतर्गत 3 वर्ष का सश्रम कारावास व दो हजार का अर्थदंड की सजा सुनाई है।

वसूली कर रहे दो हवलदार और सात आरक्षक लाइन अटैच

महासमुंद (ए)। पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह ने पटेवा थाने के सामने अवैध वसूली पर कड़ी नाराजगी जाहिर की है। थाना के सामने सरेआम वसूली कर रहे दो प्रधान आरक्षक और सात आरक्षकों को तत्काल प्रभाव से लाइन अटैच कर दिया है।

नेशनल हाईवे 53 पर स्थित पटेवा थाना के सामने रोज सुबह पांच बजे से नौ बजे तक वाहनों के जांच के नाम पर अवैध वसूली की शिकायतें लगातार मिल रही थी। पुलिस के जवान रोज सुबह उठकर उगाही करते थे, बाद में स्नान करने अपने क्वार्टर में जाते थे। जन शिकायत पर एसपी ने बुधवार को संज्ञान लिया। वे सुबह गढ़फुलझर (बसना) जाने निकले। तब एसपी धर्मेंद्र सिंह ने यह नजारा स्वयं भी देखा।

उन्होंने थाने से थोड़ी दूर आगे जाकर अपनी वाहन को रुकवाया। वहां से पैदल फिल्मी स्टाइल में थाने के सामने पहुंचे। पैदल चलते हुए अपनी आंखों से अवैध वसूली का नजारा देखा तो कप्तान धर्मेंद्र सिंह आग बबूला हो गए। तत्काल कार्रवाई करते हुए नौ लोगों को लाइन अटैच कर दिया। इससे पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है।

ट्रक का एक्सीडेंट, फंसे ड्राइवर व क्लीनर चेंबर काटकर दोनों को निकाला गया बाहर

जशपुर जिले के लोरो घाट पर ट्रक का एक्सीडेंट, 6 घंटे चला पुलिस का रेस्क्यू ऑपरेशन

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में बीती रात बड़ा हादसा हो गया। जिले के दुलदुला थाना क्षेत्र के लोरो घाट पर आधी रात 12 बजे ट्रक दुर्घटनाग्रस्त हो गई। दुर्घटना इतनी जोरदार थी कि ट्रक के चेंबर में ड्राइवर व चालक फंस गए। घटना की सूचना के बाद मौके पर पहुंची हाइवे पेट्रोलिंग व दुलदुला पुलिस की टीम ने मौके पर पहुंची। ट्रक का चेंबर काटकर दोनों को बाहर निकाला और अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस का रेस्क्यू ऑपरेशन लगभग 6 घंटे तक चला।

दुलदुला पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार लोरो घाट पर हादसे की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंचे। यहां हादसे के बाद ट्रक में चालक व क्लीनर बुरी तरह से फंसे हुए थे। हाइवे पट्रोलिंग एवं दुलदुला पुलिस टीम द्वारा रात्रि 12 बजे से सुबह 06 बजे तक लगातार प्रयास करते हुए गैस कटर से वाहन को काटकर दोनों को सकुशल बाहर निकाला व शासकीय देवशरण जिला अस्पताल जशपुर पहुंचाया। अस्पताल में दोनों की स्थिति गंभीर बनी हुई है। ट्रक चालक की पहचान सुमित गजवी पिता विनोद गजवी निवासी नागपुर महाराष्ट्र के रूप में हुई है। इस पूरी कार्रवाई में हाइवे पेट्रोलिंग टीम से एएसआई बरन साय, आरक्षक विमल भगत, आरक्षक दिलीप पटेल तथा दुलदुला पुलिस टीम से प्रधान आरक्षक यशायाह मिंज, आरक्षक योगेश भगत, सैनिक दुर्गा प्रसाद की सराहनीय भूमिका रही है।

हाइवे पेट्रोल जशपुर द्वारा लगातार पेट्रोलिंग करते हुए हाइवे में यातायात बाधित होने पर तुरंत मौके पर पहुंच यातायात व्यवस्था को बनाती है। हाइवे में लोरो घाट जैसे अतिदुर्घटनाजन्य क्षेत्रों के अतिरिक्त हाइवे में अन्यत्र भी वाहन दुर्घटना होने पर सर्वप्रथम पहुंच कर घायलों का प्राथमिक उपचार कर नजदीक स्वास्थ्य केंद्रों में पहुंचाकर घायलों की सहायता करते हुए, उनके परिजनों को खबर दी जाती है। जशपुर पुलिस द्वारा लगातार नेशनल हाइवे क्रमांक 43 पर ग्राम खटंगा थाना दुलदुला से ग्राम झरगांव थाना जशपुर तक कुल 30 किलोमीटर के दायरे में हाईवे पेट्रोल का संचालन किया जा रहा है।

हाईवे पट्रोलिंग टीम द्वारा पेट्रोलिंग दौरान हाइवे के किनारे स्थित ग्रामों में जागरूकता अभियान चलाकर तथा हाइवे में चलने वाले राहगीरों व वाहन चालकों को यातायात नियमों से संबंधित पम्प्लेट वितरण कर यातायात नियमों के संबंध में लगातार जागरूक किया जाता रहा है। जिससे कि सम्भावित दुर्घटना से बचा जा सके। गुड सेमेरिटन लॉ के संबंद्ध में लोगों को जागरूक कर दुर्घटना में घायल व्यक्ति की मदद करने हेतु आम नागरिकों को प्रोत्साहित किया जाता रहा है। हाइवे पेट्रोल टीम जशपुर द्वारा आज तक कुल 99 हाइवे में दुर्घटना ग्रस्त घायलों को उपचार के लिए नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र पहुंचाया गया है। समय पर उपचार होने से अधिकांश घायलों की जान बच सकी है।

हत्या के मामले मिली थी उम्रकैद की सजा, दोषी ने की आत्महत्या

श्रीकंचनपथ न्यूज

जांजगीर-चांपा। छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा जिले में हत्या के आरापी शख्स ने ट्रेन के सामने कूदकर आत्महत्या कर ली। बुधवार सुबह जिले के नहरिया बाबा मंदिर से 150 मीटर की दूरी पर हत्या के आरोपी प्रकाश राठौर (55) का शव मिला है। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पीएम के लिए भेजा।

मिली जानकारी के अनुसार ट्रेन के सामने कूदकर आत्महत्या करने वाले प्रकाश राठौर पर हत्या का मामला दर्ज है। दरअसल जांजगीर के वार्ड नंबर- 14 निवासी प्रकाश राठौर यहां हरियाली हेरिटेज का संचालक था। प्रकाश राठौर ने 2011 में संजय सिंह नाम के शख्स की गोली मारकर हत्या की थी। इस मामले में निचली अदालत ने उसे आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। डेढ़ साल की सजा के बाद आरोपी प्रकाश राठौर जमातन पर रिहा हुआ था।

पुलिस ने बताया कि प्रकाश राठौर का केस हाईकोर्ट में चल रहा था। हाईकोर्ट ने भी प्रकाश राठौर की सजा को बरकरार रखा जिसके बाद से वह डिप्रेशन में था। 25 जनवरी को हाईकोर्ट के फैसले की जानकारी मिलने के बाद प्रकाश राठौर दिल्ली जाने की बात कहकर निकला था। इसके बाद से पुलिस आरोपी तलाश कर रही थी। बुधवार की सुबह हत्या के दोषी की लाश रेलवे ट्रैक पर मिली। पुलिस का कहना है कि संभवत: हाईकोर्ट के फैसले के कारण आरोपी ने आत्महत्या की।

फर्जी साइन कर सगे भाई ने निकाल ली बीमा की रकम

परेशान बहन पहुंची थाने, भाई पर दर्ज हुआ धोखाधड़ी का केस

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सुपेला थाना अंतर्गत एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस कंपनी से फर्जी हस्ताक्षर कर एक शख्स ने बीमा की रकम ऐंट ली है। सख्स ने अपनी सगी बहन को ही चूना लगा दिया। इस मामले में महिला की शिकायत पर पुलिस ने उसके भाई के खिलाफ धारा 420,467,468,471,34 के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सुपेला पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 22 सी क्रास स्ट्रीट 01, सेक्टर 1 भिलाई निवासी मार्शलीना सेंटियागो ने अपने भाई आगस्टीन सेंटियागो के खिलाफ धोखाधड़ी की शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत में उन्होंने बताया कि उनके पिता उनके पिता बीएसपी के अग्निशमन विभाग से सेवानिवृत्त हुए। सेवानिवृत्त पश्चात एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस कंपनी मे 2,30,000 रुपए का बीमा लिया। कोराना महामारी के दौरान माता पिता की मृत्यू हो गई।

माता पिता की मृत्यू के बाद प्रार्थी के भाई आगस्टीन सेंटियागो ने अपनी एक महिला मित्र शीतल स्वामी के साथ मिलकर फर्जी दस्तावेज तैयार कराए और कर फर्जी तरीके से एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस से 2 लाख 30 हजार रुपए निकाल लिए। प्रार्थी का कहना है कि पिता का बीमा होने के कारण उस राशि में से 50 फीसदी की वह भी हकदार है लेकिन भाई ने पूरी रकम हड़प ली है। महिला की शिकायत के बाद सुपेला पुलिस ने मामले की जांच की और आगस्टीन सेंटियागो के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज किया गया है।

रफ्तार का कहर: बाइक हुआ हादसे का शिकार, एक की मौत दो घायल

श्रीकंचनपथ न्यूज

जीपीएम। छत्तीसगढ़ के जिला गौरेला पेण्ड्रा-मरवाही में एक बार फिर रफ्तार का कहर देखने को मिला है। यहां एक बाइक दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे में बाइक सवार महिला की मौके पर मौत हो गई। बेटे और बहू को गंभीर चोट आई है। जिन्हें प्राथमिक इलाज के बाद सिम्स बिलासपुर रेफर कर दिया गया है। जहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई है।

पेंड्रा थाना इलाके अमरपुर मुख्य मार्ग पर यह हादसा हुआ। यहां कल रात को एक बाइक बेकाबू होकर हादसे का शिकार हो गई। हादसे में बाइक पर बैठे तीन लोगों में महिला बिल सिया बाई की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि बाइक चला रहा कृष्णा और उसकी पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गए।

घायलों को गौरेला के सेनेटोरियम स्थित जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यहां जांच के बाद डॉक्टरों ने बेलसिया बाई को मृत घोषित कर दिया। मृतका का बेटा कृष्णा पाव और उसकी पत्नी की स्थिति काफी गंभीर है। दोनों का प्राथमिक इलाज के बाद सिम्स बिलासपुर रेफर कर दिया गया है।

परिजनों ने बताया कि बेलसिया बाई, कृष्णा पाव और उसकी पत्नी तीनों बाइक से पेंड्रा के निजी बैंक में पैसा आहरण करने गए थे। उसके बाद गिरारी गांव में रिश्तेदार के घर चले गए। वहां से वह रात लगभग नौ बजे वापस अपने घर गौरेला के ठेंगाडाढ जा रहे थे, इसी दौरान अमरपुर गांव के पास यह हादसा हो गया। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

छत्तीसगढ़ के सरकारी आवासीय स्कूल में जूनियर छात्रों से रैगिंग, सीनियर छात्रों ने जूनियर छात्रों के काटे बाल, अधीक्षक व प्रिंसीपल को नोटिस

श्रीकंचनपथ न्यूज

कबीरधाम। छत्तीसगढ़ के कबीरधाम जिले में संचालित सरकारी आवासीय स्कूल में जूनियर छात्रों से रैगिंग का मामला सामने आया है। स्कूल परिसर में सीनियर छात्रों ने जूनियर छात्रों की न सिर्फ रैगिंग ली बल्कि उनके बाल भी काट दिए। मामले का पता तब चला जब इसका एक वीडियो इंस्टाग्राम पर वायरल हुआ। जांच में जब पता चला कि वीडिया कवर्धा के सरकारी आवासीय स्कूल का है तो प्रशासन ने

अधीक्षक व प्रिंसीपल को नोटिस भेज कर जवाब मांगा है।

मिली जानकारी के अनुसार सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ जिसमें कुछ छात्र अपने से छोटे छात्रों को पकड़कर जोर जबरदस्ती कर रहे हैं। इनके बाल काट रहे हैं और इनकी पिटाई भी कर रहे हैं। वायरल वीडियो में बताया गया कि यह कवर्धा के सरकारी स्कूल का है। प्रशासन तक जब यह वीडियो पहुंचा तो इसकी जांच कराई गई। जांच में पता चला कि यह वीडियो कवर्धा के तरेगांव के सरकारी आवासीय स्कूल का है।

जिला प्रशासन की जांच में वीडियो की पुष्टि होने के बाद आवासीय स्कूल के अधीक्षक को जिम्मेदार माना गया और उन्हें नोटिस भेज कर जवाब मांगा गया है। यही नहीं स्कूल के प्रिंसीपल को भी नोटिस भेजा गया। यह वीडियो दस दिन पुराना बताया जा रहा है। सीनियर छात्रों की इस हरकत के बाद जूनियर छात्रों में दहशत है और वे डरे सहमे से रह रहे हैं। हालांकि प्रशासन ने इसके बाद भी सरकारी आवासीय स्कूल की स्थिति सामान्य बताई है।

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध
Rakesh Sahu
9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले, पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता: 93003-77572

इलेक्ट्रिक वेहिकल चार्जिंग यूनिट बनेगी फुंडा रीपा में, गोबर पेंट बनाने वाली मशीन भी

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दुनिया भर में और भारत के भीतर भी बैटरी चलित गाड़ियों का बाजार तेजी से बढ़ रहा है और सरकार एवं निजी क्षेत्रों द्वारा इसे प्रोत्साहित करने इलेक्ट्रिक वेहिकल चार्जिंग यूनिट लगवाये जा रहे हैं। इस बड़े बाजार की संभावनाओं को देखते हुए रीपा में भी चार्जिंग यूनिट के उत्पादन की व्यवस्था की गई है। फुंडा में इसका यूनिट लग रहा है।

कलेक्टर पुष्पेंद्र कुमार मीणा ने आज फुंडा में इस यूनिट का तथा इसी तरह से अन्य उत्पादों के लिए लगने वाली यूनिटों का निरीक्षण किया। उनके साथ जिला पंचायत सीईओ अश्विनी देवांगन भी मौजूद रहे। यहां गोबर पेंट बनाने की मशीन लगाने वाली यूनिट भी लगाई जा रही है। कलेक्टर ने यूनिट निर्माण करने वाले उद्यमियों से चर्चा की। इन्होंने बताया कि एंटी बैक्टीरियल गुण होने की वजह से गोबर पेंट की काफी डिमांड हो रही है और पंजाब तथा उत्तरप्रदेश में भी गोबर पेंट बनाने यूनिट लग रही हैं। इस बड़े बाजार के लिए मशीनों की काफी डिमांड होगी, इसलिए यह सेटअप लगा रहे हैं। एक यूनिट मेडिकल उपकरणों से संबंधित थी जिसमें मेडिकल ग्लव्स, मास्क सर्जरी किट आदि से संबंधित सामग्रियों का निर्माण किया जाएगा। इसके साथ ही अन्य उद्यमियों के लिए भी यहां जगह होगी। इसमें परंपरागत व्यवसाय से जुड़े लोग भी अपना कार्य कर सकेंगे। अभी तक जो यूनिट लग रही हैं उनमें 185 लोगों को काम मिलेगा, जो स्थानीय होंगे। यहां नर्सरी भी बनाई जा रही है जहां ऐसे पौधों का उत्पादन होगा जिनकी व्यवसायिक बिक्री होती है। रीपा में 2 हजार से अधिक लोगों को मिलेगा रोजगार- रीपा में अभी तक लगने वाले यूनिटों से 2 हजार से अधिक लोगों को रोजगार मिल पाएगा। इसके अलावा यहां परंपरागत व्यवसाय एवं ग्रामीण उद्यम आरंभ होने से बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन हो सकेगा। जिले के गौठानों में मछलीपालन को बढ़ावा देने के लिए डबरियों के साथ ही बायोफ्लाक भी आरंभ किये जा रहे हैं। आज कलेक्टर ने तर्रा में बायोफ्लाक का निरीक्षण किया। समूह की दीदियों ने बताया कि यहां रोहू, पंकाज आदि मछली पाल रहे हैं। काफी कम क्षेत्र में बड़ी संख्या में मछलियों का उत्पादन संभव है। कलेक्टर ने बिजली की आपूर्ति बाधित होने की दशा में वैकल्पिक उपाय के बारे में पूछा। इस पर समूह की दीदियों ने बताया कि बिजली चली जाएगी तो आक्सीजन टेबलेट से मछलियों को आक्सीजन मिल सकेगा।

कलेक्टर तर्रा सीएचसी भी पहुंचे। यहां सबसे ज्यादा डिलीवरी होती है। कलेक्टर ने इसके लिए मितानिनों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि आप लोगों के अच्छे कार्य की वजह से संस्थागत प्रसव में बढ़ोत्तरी इस ग्रामीण क्षेत्र में हुई है। सरकार ने बजट में आप लोगों के लिए मानदेय भी आरंभ किया है।

सांकरा में स्कूली बच्चों से मिले- सांकरा में कलेक्टर स्कूली बच्चों से मिले। बच्चों ने कलेक्टर से अपने करियर के बारे में प्रश्न भी पूछे। एक छात्रा ने पूछा कि मैं आईपीएस बनना चाहती हूँ मुझे अभी से इसके लिए किस तरह की पढ़ाई करनी चाहिए। कलेक्टर ने कहा कि आप अपने सिलेबस को अच्छे से पढ़ें तो आपकी तैयारी साथ साथ होती रहेगी। वे सांकरा में आजीविका केंद्र के डोम में भी पहुंचे। यहां उन्होंने आजीविका केंद्र परिसर के आसपास सघन पौधरोपण कर फलदार पेड़ लगाने के निर्देश दिये। खारुन नदी के किनारे बसे ठकुराइनटोला में मंदिर खारून नदी के बीच में बना है। हर साल बरसात में यहां पहुंच बाधित हो जाता है।

खास - खबर

राष्ट्रीय साधन सह छात्रवृत्ति हेतु शास. पू. मा. शाला सावनी की 3 छात्राओं का हुआ चयन

दुर्ग। राष्ट्रीय साधन सह छात्रवृत्ति परीक्षा 2022-23 में शास. पू. मा. शाला सावनी से 3 छात्राओं कु. रितु पटेल, माया जांगड़े और रीना मिरी का चयन हुआ है। चयनित छात्राओं को शासन द्वारा कक्षा नवमीं से बारहवीं तक प्रतिमाह 1000 रुपए की छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी। उनके चयन में प्रधान पाठिका श्रीमती मंजू वर्मा, शिक्षक श्री अनिल कुमार मदरिया और दुष्यंत वर्मा का योगदान रहा। विगत 4 वर्षों में इस परीक्षा में कुल 13 विद्यार्थियों का चयन हो चुका है। उक्त चयन से ग्राम सावनी में हर्ष व्याप्त है।

किराएदारी में निवासरत पात्र हितग्राहियों को लॉटरी के माध्यम से मिलेगा आवास

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र अंतर्गत अब किराएदारी में निवासरत परिवारों को भी खुद का अपना आवास मिल पाएगा। जिन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत मोर मकान मोर आस के तहत आवेदन जमा किया था तथा पात्र हितग्राही की श्रेणी में आने के बाद अंशदान की राशि जमा की है उन्हें लॉटरी में शामिल करते हुए आवास आबंटन किया जाएगा। लॉटरी में सम्मिलित होने के लिए इससे पूर्व पहली किस्त की राशि अनिवार्य रूप से जमा करनी होगी, तभी यह 17 मार्च को होने वाली आवास आबंटन की प्रक्रिया में शामिल हो पाएंगे। गौरतलब है कि अंशदान की राशि जमा करने शासन ने बड़ी सहूलियत दी है इसके मुताबिक लॉटरी में शामिल होने के लिए केवल 10त्न राशि ही प्रथम किश्त के रूप में जमा करनी होगी तथा आसान किस्तों में बाकी की राशि जमा की जा सकती है। पहले प्रथम किस्त की राशि के लिए ज्यादा पैसे जमा करने होते थे परंतु अब शासन ने इसे कम करके लोगों को बड़ी राहत दी है। उल्लेखनीय है कि महापौर नीरज पाल एवं निगम आयुक्त रोहित व्यास के निर्देश पर प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत तमाम प्रक्रियाओं में तेजी लाई जा रही है। 17 मार्च 2023 दिन शुक्रवार को समय प्रात: 10:00 बजे से भिलाई निगम के मुख्य कार्यालय में लाटरी के माध्यम से आवास आबंटन किया जाएगा। इसके लिए पात्र हितग्राहियों को लॉटरी में शामिल होने के लिए विभाग से सूचना भी दी जा रही है।

23 मार्च को लेखापाल सह स्टोरकीपर पद के लिए दावा आपत्ति आमंत्रित

दुर्ग। लेखापाल सह स्टोरकीपर पद के लिए प्राप्त आवेदन पत्रों का सारणीयन व पात्र एवं अपात्र की सूची तैयार कर दुर्ग जिले की वेबसाईट www.durg.gov.in में अपलोड कर प्रकाशित किया जाता जा रहा है। संबंधित आवेदक सूची से मिलान कर किसी प्रकार का दावा आपत्ति होने पर 23 मार्च को प्रात: 11.00 बजे से सायं 3.00 बजे तक कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के कक्ष क्रमांक 07 में, वेबसाइट पर दिये गये निर्धारित प्रारूप में दावा आपत्ति लिखित जमा कर सकते हैं। अन्य किसी भी प्रकार का दस्तावेज समयावधि पश्चात प्राप्त दावा आपत्ति पर किसी भी प्रकार का विचार नही किया जावेगा।

डिस्ट्रिक्ट लोगों सुझाकर जीत सकते हैं 75 हजार रूपए की पुरस्कार राशि

दुर्ग। जिला प्रशासन द्वारा डिस्ट्रिक्ट लोगो प्रतिस्पर्धा का आयोजन किया जा रहा है। डिस्ट्रिक्ट लोगो सुझाकर प्रतिभागी 75 हजार रूपए की नगद राशि जीत सकते हैं। इसके साथ ही डिस्ट्रिक्ट टैग लाईन कॉम्पीटिशन आयोजित किया जा रहा है। इसमें डिस्ट्रिक्ट टैग लाईन सुझाकर प्रतिभागी 25 हजार रूपए की राशि जीत सकते हैं।

दुर्ग से चलने वाली चार ट्रेनों को रूट बदला...

बिलासपुर की जगह उसलापुर स्टेशन से होकर चलेंगी ट्रेनें

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग रेलवे स्टेशन से चलने वाल चार सूपरफास्ट एक्सप्रेस ट्रेनों का रेलवे ने रूट बदल दिया है। इन ट्रेनों को अब बिलासपुर की जगह उसलापुर होते हुए अपने गंतव्य के लिए रवाना किया जाएगा। इससे ट्रेनों की टाइमिंग में भी बदलाव आएगा। रेलवे के इस निर्णय से बिलासपुर रेलवे स्टेशन पर ट्रेनों का ट्रैफिक भी कम होगा। वहीं बिलासपुर के उसलापुर रेलवे स्टेशन में सुविधाएं भी बढ़ेंगी।

बता दें पिछले कुछ वर्षों में बिलासपुर शहर का विकास बहुत तेजी से हुआ है इस शहर की भौगोलिक संरचना के हिस्से में नए रिहायशी इलाके भी जुड़े है । इस शहर के पश्चिम क्षेत्र उसलापुर में भी बड़ी संख्या में कार्य स्थल एवं निवास होना प्रारम्भ हुआ है । ऐसी स्थिति में उसलापुर स्टेशन भी एक नए उपनगरीय स्टेशन के रूप में विकसित करने का कार्य चरण बद्ध तरीके से किया जा रहा है । उसलापुर स्टेशन को बिलासपुर नगर का एक नया उपनगरीय स्टेशन के रूप में विकसित करने का कार्य प्रारंभ किया गया है एवं यहां रेल यात्रियों की सुविधाओं का क्रमिक विकास किया जा रहा है। यहां के रेल यात्री कई ट्रेनों में अब उसलापुर से ही यात्रा कर सकेंगे।

रेल यात्रियों की मॉग एवं सुविधा को ध्यान में रखते हुए, रेलवे बोर्ड के द्वारा कुछ एक्सप्रेस ट्रेनों का ठहराव 24 अप्रैल, 2023 से उसलापुर स्टेशन में दिया जा रहा है । रेलवे बोर्ड के निर्देशानुसार दुर्ग एवं कटनी मार्ग से हो कर आने-जाने वाली कुछ गाड़ियों का परिचालन दाधापारा-उसलापुर होकर किया जायेगा।

जिसके अनुसार (15159/ 15160 छ्परा-दुर्ग-छ्परा सारनाथ एक्स, 12853/ 2854 दुर्ग-भोपाल-दुर्ग अमरकंटक एक्सप्रेस, 12823/12824 दुर्ग-निज़ामुद्दीन-दुर्ग संपर्क क्रांति एक्सप्रेस व 12549/ 12550 दुर्ग-जम्मूतवी-दुर्ग एक्सप्रेस बिलासपुर के स्थान पर उसलापुर होकर चलेगी । उक्त सभी ट्रेनें परिवर्तित मार्ग दाधापारा से उसलापुर होते हुए अपने गंतव्य स्थान के लिए रवाना होगी । उसलापुर स्टेशन एवं अन्य स्टेशनों की समय सारणी में कुछ आंशिक परिवर्तन किया गया है । 15159 छपराङ्क दुर्ग सारनाथ एक्सप्रेस 1 मई से उसलापुर से चलेगी।

संत राजाराम साहेब वर्सी महोत्सव में शामिल हुई राज्य सभा सांसद सरोज पाण्डेय

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। माना शदाणी दरबार मे आयोजित संत राजाराम साहेब वर्सी महोत्सव में राज्य सभा सांसद डॉ सरोज पांडेय नवम ज्योत संत श्री युधिष्ठिर लाल जी को महोत्सव की बधाइयां व शुभकामनाएं प्रेषित की।

शदाणी दरबार मे आयोजित महोत्सव पर डॉ सरोज पांडेय ने कहा कि हिन्दू धर्म की रक्षा व सिंधी संतो महात्माओं स्मरण में ऐसे आयोजन धर्म के प्रति विश्वास को मजबूत करते है।

संत साई युधिष्ठिर लाल जी द्वारा दरबार की ओर से आशीर्वाद व सम्मान किया गया। दरबार मे डॉ सरोज पांडेय के साथ डॉ के के द्विवेदी, वासुराम आहूजा, दर्शन नेहाल, भजन लाल तलरेजा, डॉ भीष्म लाल शदाणी, बंटी काबरा, अर्जुन सचदेव, आसन दास मोहनानी,राजू पाहुजा व उदय लाल शदाणी उपस्थित थे। यह जानकारी शंकर सचदेव ने दी।

तीन दिवसीय कौशल विकास प्रशिक्षण का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दाऊ श्री वासुदेव चन्द्राकर कामधेनु विश्वविद्यालय, दुर्ग एवं भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के केंद्रीय कटाई- उपरांत अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, लुधियाना के संयुक्त तत्वाधान में अनुसूचित जाति उपयोजना के अंतर्गत श्री अन्न का प्राथमिक प्रसंस्करण एवं मूल्य वर्धन विषय पर तीन दिवसीय 14 मार्च से 16 मार्च तक कौशल विकास प्रशिक्षण का आयोजन किया जा रहा है।

इस कार्यक्रम का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ.(कर्नल) एन.पी. दक्षिणकर की अध्यक्षता एवं मुख्य अतिथि प्रोफेसर डॉ. नितिन एम. नागरकर, निदेशक एम्स रायपुर की गरिमामयी उपस्थिति में हुआ । इस अवसर पर भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्- सीफेट से वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. दीपिका गोस्वामी, वैज्ञानिक डॉ.चंदन सोलंकी, विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ.आर.के.सोनवाने, पूर्व निदेशक एवं प्राध्यापक डॉ.ओ.पी. मिश्रा, निदेशक अनुसंधान सेवाएं डॉ.जी.के.दत्ता, निदेशक विस्तार शिक्षा डॉ.संजय शाक्य, निदेशक शिक्षण डॉ.एस.पी. इंगोले, अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. नीलू गुप्ता, कृषि विज्ञान केंद्र, अंजोरा के कार्यक्रम समन्वयक डॉ.व्ही.एन. खुणे, विश्वविद्यालय जनसंपर्क अधिकारी डॉ. दिलीप चौधरी आदि उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि प्रोफेसर डॉ. नितिन एम.नागरकर ने इस कार्यक्रम में उपस्थित सभी कृषकों को संबोधित करते हुए कहा कि ज्वार,बाजरा, कोदो, कुटकी, रागी प्राचीन अनाज बहुत कम पानी में पैदा हो जाते हैं एवं कीटाणु रोधी होते हैं।

दुर्ग जलवायु परिवर्तन के अनुकूल होने के कारण यह फसल कृषकों के लिए उपयोगी है। इसमें आयरन एवं कैल्शियम की मात्रा भरपूर होती है औषधियाँ गुणों से परिपूर्ण होने के कारण इसके उपयोग से रक्तचाप, रक्त में शर्करा की मात्रा नियंत्रित रहती है।

दुकान तोड़ने गई दुर्ग निगम की टीम बैरंग लौटी, जेसीबी के सामने खड़ी हो गई महिला

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। अवैध रूप से बनाई गई दुकान को ढहाने पहुंची निगम की टीम को भारी विरोध का सामना करना पड़ा। जनदर्शन में मिली शिकायत के आधार पर निगम का तोड़ूदस्ता दुकान तोड़ने पहुंचा तो महिला जेसीबी के सामने खड़ी हो गई ओर जमकर तमाशा किया। महिला ने यहां तक कह दिया कि दुकान तोड़ने के लिए उसकी लाश पर से गुजरना होगा। आखिरकार निगम अमला महिला की जिद के सामने झुक गया। निगम अमला एक सप्ताह का अल्टिमेटम देकर चला गया।

मिली जानकारी के मुताबिक दुर्ग निगम का अतिक्रमण निवारण दस्ता बुधवार दोपहर बजरंग नगर शिवपारा में कार्रवाई करने गया था। यहां स्थितअनिल दुबे की दुकान आदि शक्ति रेडीमेट को तोड़ने का आदेश मिला था। यह दुकान अतिक्रमण कर बनाई गई थी। जनदर्शन में शिकायत के बाद इस दुकान को तोड़ने का आदेश निगम को मिला। सीमांकन में भी दुकान अवैध पाई गई। दुकान तोड़ने के लिए निगम की टीम जेसीबी लेकर पहुंची।

निगम की टीम जब पहुंची तब इस दुकान का संचालक अनिल दुबे तो नहीं था लेकिन उसकी पत्नी ने कार्रवाई का विरोध किया। महिला जेसीबी के सामने खड़ी हो गई और निगम के अधिकारियों को उसकी लाश में होकर जाने की चेतावनी दे डाली। महिला की जिद को देखते हुए निगम अमले एक सप्ताह में दुकान का सारा सामान खाली कर लेने को कहा। एक सप्ताह बाद निगम की टीम दुकान तोड़ने का काम करेगी।

विधानसभा रवाना होने से पूर्व वार्ड 38 का दौरा करने पहुंचे विधायक वोरा

स्वयं खड़े रहकर स्वास्थ्य विभाग गैंग बुलाकर कराई सफाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। मिलपारा वार्ड 38 में दर्जनभर लोगों को उल्टी-दस्त की शिकायत मिलने की खबर मिलने पर आज सुबह विधायक अरुण वोरा ने वार्ड में पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। विधानसभा रवाना होने से पहले सुबह 7 बजे वोरा ने वार्ड में निगम के जलकार्य विभाग और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को मौके पर बुलाया। साफ कहा कि किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए।

वोरा ने वार्ड में महासफाई अभियान चलाने के साथ ही नालियों के भीतर से गुजरने वाली पाइपलाइनों को तत्काल बाहर निकालने कहा। वोरा ने तत्काल शहरी स्लम स्वास्थ्य मोबाइल यूनिट की बस बुलवाकर लोगों के स्वास्थ्य की जांच भी कराई। वोरा ने कहा कि सभी वार्डो में महासफाई अभियान शुरू किया जाए। उन्होंने वार्ड में हालात का जायजा लेते हुए कलेक्टर पुष्पेंद्र कुमार मीणा और निगम आयुक्त लोकेश चंद्राकर से भी इस संबंध में चर्चा की। वोरा ने बीमारी की रोकथाम के साथ ही मरीजों के इलाज के लिए तत्काल सभी व्यवस्थाएं करने कहा। वोरा ने खुद खड़े होकर नाली के भीतर पाइपलाइनों को तत्काल बाहर निकालवाया। पाइपलाइन की लीकेज दुरुस्त करने गैंग बुलाकर काम शुरू करने कहा। नगर निगम की पिछली परिषद के कार्यकाल में दुर्ग शहर के सरस्वती नगर में डायरिया फैलने से 15 लोगों की मौत हुई थी। इसकी पुनरावृत्ति नहीं होनी चाहिए। बीमारी की रोकथाम के लिए अनिवार्य रूप से सभी जरूरी उपाय किये जाएं। इन कार्यो में किसी भी तरह की लेटलतीफी या कोताही न होने पाएं। यहां होने वाले कायोऱ्ं की अधिकारी लगातार मॉनिटरिंग करें। वार्ड 38 में दर्जन भर लोगों को उल्टी दस्त और कमजोरी होने की शिकायत मिली है। उन्होंने मरीजों के निवास पहुंचकर स्वास्थ्य का हाल भी जाना। गौरतलब है कि वार्ड में पिछले दो दिनों से साधना जगढे, विनय खंडेलवाल, नमन कोसरे, बुधराम धीर, खिलेश्वरी जगढे, लता यादव, कुलदीप धीर, दुर्गा राजपूत, भूपेश राजपूत सहित अन्य लोगों के स्वास्थ्य खराब होने की शिकायत मिली है। वोरा ने सभी वार्डो में महासफाई अभियान शुरू करने और स्वास्थ्य शिविर का आयोजन करने कहा है। गर्मी के मौसम को देखते हुए वोरा ने चिकित्सा टीम को अलर्ट रहकर मरीजों का तत्काल इलाज करने के निर्देश दिये हैं। इस दौरान पार्षद मनीष बघेल, एल्डरमेन राजेश शर्मा, स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली, नगर निगम के सहायक अभियंता वी.पी मिश्रा एवं अन्य उपस्थित थे।

अमृत सरोवरों के किनारे लगेंगे पीपल और बरगद के वृक्ष, जलस्तर बढ़ाने और सिंचाई के लिए बनेगा जरिया

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। जिले भर में 92 अमृत सरोवर बनाये जा रहे हैं। इनमें आज अमृत महोत्सव अंतर्गत वृक्षमाला नदी तट संरक्षण महाभियान मनाया गया। कलेक्टर पुष्पेंद्र कुमार मीणा आज ग्राम छाटा में शामिल हुए। उन्होंने निर्माणाधीन अमृत सरोवर देखा। उन्होंने इसके किनारे पीपल और बरगद जैसे पौधे लगाने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि सरोवर के किनारे बरगद और पीपल लगाने से इन पौधों का संरक्षण भी होगा और जलसंरक्षण भी सरोवर के लिए हो सकेगा। कलेक्टर ने ग्रामीणों से चर्चा में कहा कि सरोवर का काम पूरा हो जाने पर इसके माध्यम से सिंचाई की बढ़िया व्यवस्था हो सकेगा। इसके माध्यम से भूमिगत जल का रिचार्ज भी होगा। उन्होंने बताया कि इन अमृत सरोवरों को नहरों से भी जोड़ा जाएगा ताकि इनके माध्यम से ग्रामीणों की जरूरत पूरी हो सके।

उन्होंने ग्रामीणों को बताया कि पाटन ब्लाक में अमृत सरोवर के 28 कार्य स्वीकृत हुए हैं जिनमें 12 पर अब तक काम पूरा हो चुका है। उल्लेखनीय है कि आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत 1 मार्च से 15 अगस्त तक वृक्षमाला नदी तट संरक्षण महाअभियान चलाया जाना है। इसका उद्देश्य सूखते जा रहे जलस्त्रोतों को संरक्षित करना है तथा इन्हें बढ़ावा देना है। यह कार्य जलसंरक्षण के लिए नई संरचनाओं के साथ ही जलस्त्रोतों के किनारे व्यापक रूप से पौधरोपण से संभव है।